শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 279 | गुवाहाटी | शनिवार, 16 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सुप्रीम कोर्ट में वर्चुअल सुनवाई स्टाफ के लिए वर्क फ्रॉम होम — पेज 2
जुलाई में आयोजित होगा असम विधानसभा का बजट सत्र — पेज 3
पंजाब के किसानों ने किया चंडीगढ़ कूच पुलिस ने वाटर कैनन व लाठीचार्ज से रोका — पेज 5
फीफा विश्व कप 2030 तक ब्राजील टीम के कोच बने रहेंगे कार्लो एंसेलोटी — पेज 7

तीन रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

खड़गे ने मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली (हि.स)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। सीएनजी के दाम भी दो रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ाए गए हैं। नई दरें आज से लागू हो गई हैं। करीब चार साल बाद पेट्रोल-डीजल की कीमत में इजाफा किया गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपए से बढ़कर 97.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.67 रुपए से बढ़कर 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में भी ईंधन की कीमतों में उछाल आया है। कोलकाता में पेट्रोल 3.29 रुपए बढ़कर अब 108.74 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 3.14 रुपए बढ़कर 106.68 रुपए प्रति लीटर में मिल रहा है। दक्षिण भारत के बड़े शहर चेन्नई में पेट्रोल के दामो में 2.83 रुपए का उछाल आया है और नई कीमत 103.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। कोलकाता में डीजल की कीमत में 3.11 रुपए का इजाफा हुआ है। वहां एक लीटर डीजल 95.13 रुपए में मिल रहा है। मुंबई में भी डीजल 3.11 रुपए महंगा होकर 93.14 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। चेन्नई में डीजल की कीमत में 2.86 रुपए का इजाफा किया गया है। वहां डीजल अब 95.25 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली के प्रीत विहार स्थित भारत पेट्रोलियम के पंप पर एक ग्राहक ने इस पर कहा कि हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं? ये सभी चीजें दूसरे देशों से आती हैं। इनका उत्पादन यहां नहीं होता। इसलिए सरकार जो भी कदम उठा रही है, वह देश के हित में है। पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने पर विपक्ष हमलावर है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा कि महंगाई मैन ने जनता पर हंटर चलाया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि आगे बढ़ना है, तो साइकिल ही विकल्प है। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमत में यह बढ़ोतरी कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के कारण ईंधन बेचने वाली कंपनियों को लगातार हो रहे नुकसान के बीच की गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगभग 106 डॉलर प्रति -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की गारंटी

चुनावी घोषणापत्र का हर वादा करेंगे पूरा

नगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को घोषणा की कि असम विधानसभा का बजट सत्र जुलाई में आयोजित किया जाएगा, जिसके दौरान अगले पांच वर्षों में राज्य के विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया जाएगा। लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद बटद्रवा की अपनी यात्रा के दौरान बोलते हुए, शर्मा ने कहा कि सरकार आगामी बजट में जनता के सुझावों और आकांक्षाओं को शामिल करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन असम की जनता के प्रति जवाबदेह है और उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक बटद्रवा थान में भी पूजा-अर्चना की, जो वैष्णव संत और समाज सुधारक श्रीमंत शंकरदेव का जन्मस्थान है। भक्तों और सत्र प्रबंधन के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान, शर्मा ने पूरे राज्य में अतिक्रमण का शिकार हुए सत्रों की सुरक्षा और जीर्णोद्धार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि सत्र आयोग अतिक्रमित सत्र भूमियों को वापस पाने के अपने प्रयास जारी रखेगा, और यह आश्वासन दिया कि इस मामले के संबंध -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा : शिवराज

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सातारा जिले में शुक्रवार को कहा कि भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा। सभी के लिए पक्के घर प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सातारा जिले के सैनिक ग्राउंड में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार महाराष्ट्र को एक साल में 30 लाख घरों का लक्ष्य दिया गया था। देश के किसी अन्य राज्य को ऐसा लक्ष्य नहीं दिया गया है। केवल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में लक्ष्य हासिल किया। उन्होंने इस सभी क्रांतिकारी काम के लिए उन्हें बधाई दी, चाहे वह हर घर को सोलर एनर्जी पर लाना और जीरो बिजली बिल लाना हो, या रिकॉर्ड कम समय में पांच लाख घर पूरे करना हो, भूमिहीनों को 1 लाख रुपए की सहायता देना हो, और विश्वास व्यक्त किया कि बाकी घर भी जल्द से जल्द पूरे हो जाएंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

आईएमडी ने 21 तक असम में भारी बारिश और गरज के साथ तूफान की चेतावनी जारी की

गुवाहाटी। असम में अगले कई दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 21 मई तक कई जिलों में गरज, बिजली और तेज हवाओं के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस अवधि के दौरान पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में बिजली गिरने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश हो सकती है। नवीनतम आईएमडी बुलेटिन के अनुसार, शुक्रवार को दक्षिण असम में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि 15 से 21 मई की अवधि के दौरान पूरे असम और मेघालय में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपनी सलाह में कहा है कि भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव, यातायात में बाधा और संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन हो सकता है। निवासियों को सतर्क रहने -शेष पृष्ठ दो पर

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भारत-यूएई के बीच सात विषयों पर सहमति पांच अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा के दौरान 7 अहम विषयों पर सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर समझौता हुआ। ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति से जुड़े समझौतों पर सहमति बनी। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारतीय अवसंरचना क्षेत्र, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी से जुड़े समझौते का उद्देश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा को -शेष पृष्ठ दो पर

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

धार की ऐतिहासिक भोजशाला को माना वाग्देवी मंदिर

इंदौर (हि.स.)। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला के धार्मिक स्वरूप को लेकर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपना फैसला सुना दिया। उच्च न्यायालय ने भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि भोजशाला परिसर मंदिर ही है। मस्जिद पक्ष यदि सरकार को आवेदन देता है तो उसे अलग जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की युगलपीठ ने अपने फैसले में कहा कि हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर विचार किया है। एएसआई एक्ट के प्रावधानों के साथ-साथ अयोध्या मामले को भी आधार माना। अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार और एएसआई यह फैसला लें कि भोजशाला मंदिर का मैनेजमेंट कैसा रहेगा। 1958 एक्ट के तहत इस प्रॉपर्टी का पूरा मैनेजमेंट एएसआई के हाथ में ही रहेगा। पीठ ने कहा कि ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है। भोजशाला मामले में हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने बताया कि उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 7 अप्रैल, 2003 के एएसआई के आदेश को आंशिक रूप से रद्द कर दिया है। इसके अलावा, न्यायालय ने हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

विपत्ति हीरे की धुल है, जिससे परामात्मा अपने रत्नों को चमकाता है।

- लेटन

न्यूज गैलरी

श्यामकानु की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

गुवाहाटी (हि.स.)। चर्चित गायक जुबीन गर्ग से जुड़े बहुचर्चित हत्याकांड के मुख्य आरोपित श्यामकानु महंत की जमानत याचिका पर शुक्रवार को गौहाटी उच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। न्यायमूर्ति मिताली ठाकुरिया की पीठ में मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 मई की तारीख निर्धारित की है। -शेष पृष्ठ दो पर

नीट की परीक्षा 21 जून को होगी दोबारा

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद नीट (यूजी) 2026 की 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित करने की घोषणा की है। एजेंसी ने सोशल मीडिया पर परीक्षार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे केवल एनटीए के आधिकारिक माध्यमों पर जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें। एजेंसी ने किसी भी जानकारी या सहायता के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

आरजी कर कांड में ममता बनर्जी की भूमिका की भी होगी जांच : सीएम

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले में अब पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच होगी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नवान्न में इसकी घोषणा करते हुए इस मामले में तीन आईपीएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। वहीं, पीड़िता की मां व पानीहाटी से भाजपा विधायक ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि आरजी कर कांड की फाइल दोबारा खोली जा रही है और उस समय जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारियों की भूमिका -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : बंधक बनाए गए 38 में से 31 लोग रिहा, कई इलाकों में तनाव बरकरार

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी और सेनापति जिलों में सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए कुकी और नगा समुदाय के 38 लोगों में से 31 को शुक्रवार को रिहा कर दिया गया। इन लोगों को आतंकियों द्वारा कांगपोकपी में चर्च के तीन नेताओं की हत्या और चार अन्य को घायल करने के बाद अज्ञात स्थानों पर ले जाया गया था, जबकि नोंई जिले में नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सशस्त्र आतंकियों द्वारा बंधक बनाई गई कंसाखुल गांव की 12 नगा महिलाओं को मखान गांव में रिहा किया गया। सेनापति जिले में बंधक बनाए गए चार पुरुष और दस कुकी महिलाओं को गुरुवार रात सुरक्षा बलों को सौंप दिया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

नीट पेपर लीक का मास्टमाइंड महाराष्ट्र से गिरफ्तार

प्रश्नपत्र तैयार करने वाली कमेटी में था शामिल

नई दिल्ली। सीबीआई ने नीट पेपर लीक का सरगना पीवी कुलकर्णी को गिरफ्तार कर लिया है। कुलकर्णी महाराष्ट्र के लातूर के एक कालेज में रसायन विज्ञान का लेक्चरर था और चार पहले सेवानिवृत होने के बाद नीट के प्रश्नपत्र तैयार करने वाली कमेटी में था। कमेटी के सदस्य होने के कारण अप्रैल के अंतिम सप्ताह में उसके हाथ में प्रश्नपत्र लग गया और उसके बाद पूणे की मनीषा -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका-चीन तीन साल के लिए रणनीतिक स्थिरता पर सहमत

बीजिंग (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को चीन का दौरा पूरा कर राजधानी बीजिंग से स्वदेश रवाना हो गए। उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दो दिनों तक बातचीत की जिसमें ईरान और ताइवान से लेकर व्यापार, तेल एवं बोइंग जैसे तमाम मुद्दे शामिल रहे। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, शी ने कहा कि अमेरिका और चीन अगले तीन वर्ष के लिए *रणनीतिक स्थिरता* पर सहमत हुए हैं। ट्रंप ने बीजिंग के इस दौरे में दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि चीन, अमेरिकी तेल और सोयाबीन खरीदने पर सहमत हो गया है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने बोइंग कंपनी से 200 बड़े वाणिज्यिक जेट विमान खरीदने पर सहमति जताई है। माना जा रहा है कि यह सौदा लगभग एक दशक में अमेरिका निर्मित विमानों की सबसे बड़ी खरीद हो सकती है। इसे दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सीएनएन, सीबीएस न्यूज, सीएनबीसी, फॉक्स न्यूज और चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अपने दौरे के दौरान ट्रंप ने गुरुवार को रात्रिभोज में शी को 24 सितंबर को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया है। चीन ने इस बात की पुष्टि नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

कुछ युवा तिलचट्टों की तरह हैं, जो व्यवस्था पर हमला करते हैं : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ज्यूडिशियरी और लीगल सिस्टम पर बढ़ते और बेवजह हमलों पर कड़ी फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि कुछ बेरोजगार युवा तिलचट्टों की तरह हैं, जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान। इनमें से कुछ मीडिया में जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया में, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बनते हैं, कुछ अन्य कार्यकर्ता बनते हैं, और फिर वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। यह टिप्पणी सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एडवोकेट संजय दुबे की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें सीनियर एडवोकेट के डेजिग्नेशन से जुड़ी सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस को लागू करने में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा कथित देरी पर कंटेम्प्ट एक्शन की मांग की गई थी। बेंच ने अर्जी पर सुनवाई करने से मना कर दिया और पिटीशनर के बर्ताव पर कड़ी नाराजगी जताई। बेंच ने कहा कि सीनियर एडवोकेट का डेजिग्नेशन कोर्ट की तरफ से दिया गया एक सम्मान है, न कि लिटिगेशन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

क्रूड ऑयल के बढ़ते दाम का असर

सुप्रीम कोर्ट में वर्चुअल सुनवाई स्टाफ के लिए वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जून और जुलाई में आंशिक कार्यदिवसों के दौरान सोमवार और शुक्रवार को अनिवार्य रूप से वर्चुअल सुनवाई का आदेश दिया, साथ ही पश्चिम एशिया में लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक संकट से उत्पन्न ईंधन संरक्षण संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए अपने रजिस्ट्री कर्मचारियों में से 50 प्रतिशत तक को सप्ताह में दो बार घर से काम करने की अनुमति दी। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कारपूलिंग करने का भी निर्णय लिया है। शुक्रवार सुबह पूर्ण न्यायालय की बैठक के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के निर्देश पर लिया गया यह कदम वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि और भारत की बढ़ती ऊर्जा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के महासचिव भरत पाराशर द्वारा शुक्रवार को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि विविध दिनों सोमवार, शुक्रवार या ऐसे अन्य दिनों जिन्हें विविध दिन घोषित किया गया है। सूचीबद्ध सभी मामलों के साथ-साथ न्यायालय के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी। परिपत्र में कहा गया है कि रजिस्ट्री को स्थिर वीडियो-कांफ्रेंसिंग सुविधाएं और समय पर तकनीकी सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि माननीय न्यायालय को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाया जा सके। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने ईंधन का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आपस में कार-पूलिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया है। अदालत ने रजिस्ट्री की प्रत्येक शाखा या अनुभाग में 50 प्रतिशत तक कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन तक घर से काम करने की अनुमति दी है। रजिस्ट्रारों को अदालत प्रशासन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हुए साप्ताहिक रोस्टर तैयार करने के लिए कहा गया है। परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि घर से काम करने की अनुमति प्राप्त कर्मचारियों को फोन पर उपलब्ध रहना होगा और आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय में उपस्थित होने के लिए तैयार रहना होगा।

ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी से भड़का आक्रोश, करणी सेना ने फूंका पुतला

मीरजापुर (हिंस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के कथित आपत्तिजनक बयान के विरोध में शुक्रवार को सवर्ण आर्मी करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय स्थित अस्पताल तिराहा पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व करणी सेना के जिला संयोजक सुशील कुमार पांडेय, जिलाध्यक्ष दिलीप गहरवार और मुकेश कुमार पांडेय ने किया। प्रदर्शनकारियों ने बयान की कड़ी निंदा करते हुए कार्रवाई की मांग उठाई। जिला संयोजक सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी से ब्राह्मण समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर अखिलेश यादव सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते और सम्बंधित प्रवक्ता पर कार्रवाई नहीं होती, तो संगठन प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगा। वहीं जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार पांडेय ने कहा कि ब्राह्मण समाज का देश और समाज निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसे में किसी भी प्रकार की अभद्र टिप्पणी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आगे जरूरत पड़ने पर सपा कार्यालय का घेराव भी किया जाएगा।

विरोधियों को छोड़कर सबके लिए खुला है होर्मुज : ईरानी विदेशमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को कहा कि ईरान भी होर्मुज जलडमरुमध्य को पूरी तरह सुरक्षित और खुला रखना चाहता है। युद्धरत देशों के जहाजों को छोड़कर अधिकांश जहाजों के लिए यह मार्ग खुला भी है। हालांकि परिस्थितियों के कारण ईरानी सेना के साथ समन्वय जरूरी है। भारत के कई जहाजों को भी ईरान ने सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया है। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए नई दिल्ली आए ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य के संबंध में हमारी भी यही इच्छा है कि इसे पूरी तरह से फिर से खोल दिया जाए। जहां तक हमारा सवाल है, हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला हुआ है या नहीं। सभी जहाज वहां से गुजर सकते हैं- सिवाय उन देशों के जहाजों के जो हमारे साथ युद्ध की स्थिति में हैं और हमारे विरुद्ध लड़ रहे हैं। जो जहाज वहां से गुजरना चाहते हैं, उन्हें जाहिर तौर पर हमारी सेना के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए क्योंकि वहां कुछ बाधाएं मौजूद हैं। ऐसे में हम उन्हें सुरक्षित मार्ग दिखाएंगे, जैसा कि हमने कई भारतीय जहाजों के साथ किया है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि फिलहाल संघर्ष विराम लागू है, हालांकि स्थिति नाजुक बनी हुई है। उनका कहना था कि ईरान किसी भी दबाव या सैन्य कार्रवाई के आगे नहीं झुकेगा। समस्या का समाधान केवल कूटनीति तथा *विन-विन* समझौते से ही संभव है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ ताकतें अमेरिका को फिर से युद्ध की ओर धकेलना चाहती हैं। अराघची ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और ईरान की चिंताएं तथा हित काफी हद तक समान हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश प्राचीन सभ्यताएं हैं और आपसी सम्मान, व्यापार तथा रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईरान ने भारतीय मानवीय सहायता और समर्थन की भी सराहना की। अराघची ने चाहबहार पोर्ट को भारत-ईरान सहयोग का प्रतीक बताते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इसकी रफ्तार धीमी हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया, काकेशस और यूरोप तक पहुंच का महत्वपूर्ण मार्ग बनेगा और भारत इसके विकास में अपनी भूमिका जारी रखेगा। अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं चाहता था और 2015 के परमाणु समझौते के जरिए उसने यह साबित भी किया। उन्होंने दोहराया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करना मुश्किल है क्योंकि वार्ता के दौरान ही अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला किया तथा लगातार विरोधाभासी संदेश दिए।

मौत को गले लगाने से पहले तिनसुकिया के युवक ने गाया *लग जा गले* गीत

तिनसुकिया। मृत्यु एक अटल सत्य है लेकिन क्या कोई मुस्कुराते हुए और संगीत के साथ इसका स्वागत कर सकता है? सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक भावुक वीडियो ने इस सवाल का जवाब *हां* में दिया है। यह कहानी है असम के तिनसुकिया के रहने वाले 17 वर्षीय ऋषभ दत्ता की जिन्होंने अपनी जिंदगी के आखिरी पलों में डरने के बजाय सुरों का सहारा लिया। इंटरनेट पर फिर से चर्चा में आए इस वीडियो में ऋषभ अस्पताल के बिस्तर पर बैठे नजर आ रहे हैं। उनके हाथों में गिटार है और आसपास डॉक्टर व नर्सों की टीम खड़ी है। ऋषभ बेहद सुरीली आवाज में लता मंगेशकर का अमर गीत *लग जा गले...* गा रहे हैं। वीडियो में उनकी आवाज की मिठास और चेहरे का सुकून यह अहसास नहीं होने देता कि वे मौत के कितने करीब थे। ऋषभ लंबे समय से एप्लास्टिक एनीमिया नाम की एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी से जूझ रहे थे। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण बंद हो जाता है। उनके माता-पिता ने उन्हें बचाने की हर संभव कोशिश की लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। 17 साल की छोटी सी उम्र में ऋषभ ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के लिए बीएसएफ को जमीन सौंपने की रणनीति तैयार

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बांग्लादेश सीमा पर लंबित बाड़बंदी कार्य को तेज करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जमीन सौंपने की तीन-स्तरीय रणनीति तैयार की है। राज्य सचिवालय सूत्रों के अनुसार, सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को 45 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। सूत्रों के मुताबिक, रणनीति के पहले चरण में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के उन हिस्सों के पास उपलब्ध सरकारी जमीन तत्काल बीएसएफ को सौंपी जाएगी, जहां अब तक बाड़बंदी नहीं हुई है। इससे कंटीले तार लगाने का पहला चरण तुरंत शुरू किया जा सकेगा। दूसरे चरण में सीमा से सटे निजी भूखंडों का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके लिए जमीन मालिकों को मौजूदा बाजार मूल्य से अधिक मुआवजा देने की योजना बनाई गई है। जमीन अधिग्रहण के बाद उसे बीएसएफ को सौंपा जाएगा, ताकि बाड़बंदी का दूसरा चरण शुरू हो सके। तीसरे चरण में सीमा क्षेत्र की अतिक्रमित जमीन को खाली कराया जाएगा। सरकार इन जमीनों को अपने कब्जे में लेकर बीएसएफ को हस्तांतरित करेगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पूरी हो सकेगी। सूत्रों का कहना है कि पहले चरण की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है और प्रत्येक चरण के लिए अलग-अलग समयसीमा निर्धारित की गई है। सरकार का दावा है कि मंत्रिमंडल के निर्णय के 45 दिनों के भीतर पूरा अभियान समाप्त कर लिया जाएगा। राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

GENERAL NOTICE

This is for general information to all concerned that Jeep Safari for the visitors in Kaziranga National Park & Tiger Reserve will remain closed from 25th May, 2026 onward due to inclement weather and field conditions.

Divisional Forest Officer
Eastern Assam Wildlife Division
Bokakhat.

-- DIPR /D/ VBS-15/16-May-26

NO.B/BKD/MHL/AMMC/E- Auction/Notice/677 Date15/05/2026

E-AUCTION NOTICE

Under the provision of rules 32,33,34,35,36 & 37 of the Assam Minor Mineral Concession Rule,2013, bids are invited online by the undersigned from Registered companies/ firms/societies/individuals etc. for the award of contract for the following Minor Minerals Concession Areas (Mahals).

2. BKD/13 BARNADI SAND MAHAL No-14.

Details of e- auction will be available www.btcforest.in portal shortly.

Sd/- Divisional Forest Officer,
Baksa Forest Division Mushalpur

IPR(BTC)/C/2026-27/181

पृष्ठ एक का शेष

तीन रुपए प्रति...

बैरल है। उधर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पांच राज्यों में चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दामों में वृद्धि को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरा। खड़गे ने जनता की जेब पर बढ़ते बोझ को लेकर चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से वर्क फ्रॉम होम और तेल बचाने की नसीहत पर खड़गे ने एक्स पोस्ट में लिखा कि ये संकट मोदी सरकार द्वारा निर्मित संकट है। मोदी सरकार में दूरदर्शी सोच का अभाव है, इसे जनता को समझना चाहिए। इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दामों में वृद्धि उद्योगों से लेकर घरेलू बजट और किसानों पर भी पड़ रहा है। खड़गे ने कहा कि चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष को सब सामान्य नजर आता है लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद सब जगह संकट फैल जाता है, मंहगाई चरम पर पहुंच जाती है।

चुनावी घोषणापत्र का हर वादा...

में वे आयोग के साथ लगातार संपर्क में रहेंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को मिले भारी चुनावी जनादेश पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार 102 सीटों के समर्थन से बनी है; उन्होंने यह भी कहा कि इतने मजबूत जनादेश ने लोगों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी भी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि असम के लोगों को हमसे बहुत उम्मीदें और अपेक्षाएं हैं, और हम पूरी तरह से जिम्मेदारी के साथ उनकी सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 102 सीटें जीतने के बाद जिम्मेदारी बढ़ेगी। इस बार हम पिछले पांच वर्षों की तुलना में अधिक मेहनत करेंगे ताकि असम का विकास हो सके। शर्मा ने बताया कि 2026 के चुनाव घोषणापत्र में पिछले घोषणापत्र की तुलना में व्यापक वादे शामिल हैं, जो कोविड-19 महामारी के बाद बदलती परिस्थितियों को दर्शाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब मैंने 2021 में अपना चुनाव घोषणापत्र पेश किया था, तब कोविड महामारी हमारे सामने थी और हमारे वादे सीमित थे। इस बार हमने अपने चुनाव घोषणापत्र में अधिक काम करने का वादा किया है और मुझे विश्वास है कि हम अपने चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने में सक्षम होंगे। भाजपा के 2026 के संकल्प पत्र में छठी अनुसूची और अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों को छोड़कर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने, 200,000 रोजगार सृजित करने, बाढ़ नियंत्रण में पर्याप्त निवेश करने, शैक्षणिक संस्थानों का विस्तार करने और राज्यव्यापी बुनियादी ढांचे के विकास जैसी प्रतिबद्धताएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि 12 मई को शपथ ग्रहण करने के बाद से उन्होंने बटाद्रवा थान जाने से पहले गुवाहाटी के बाहर किसी कार्यक्रम में भाग नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि जब मैं गुवाहाटी से बाहर जाऊंगा, तो बटाद्रवा थान जाऊंगा और गुरुजनों का आशीर्वाद लूंगा, और गुरुजनों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर असम को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा। उन्होंने श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। शर्मा ने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव ने ऐसे असम की कल्पना की थी जहां विभिन्न समुदाय सद्भाव से रह सकें और एक ऐसा शांतिपूर्ण असम जो आध्यात्मिकता से परिपूर्ण हो। हमारी सरकार महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए कार्य करेगी।

भारत में एक भी

महिला सशक्तिकरण की बात करते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में 3 करोड़ दीदी लखपति करोड़पति बन गई हैं, और अब 6 करोड़ दीदी लखपति का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ लाख बनाने का फैसला किया गया है, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विकसित भारत जी रामजी योजना 1 जुलाई से शुरू हो रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव आएगा। गांव का डेवलपमेंट प्लान गांव में ही बनेगा, उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि ग्रामीण इलाकों के डेवलपमेंट की रफ़्तार बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह ऐसे काम कर रहे हैं, जैसे गरीबों की सेवा कर रहे हों और भगवान की पूजा कर रहे हों। हम किसानों और खेती को बेहतर बनाने के लिए कमिटेड हैं। प्याज उगाने वालों के मुद्दे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से बातचीत हुई और वेस्ट एशिया और बांग्लादेश में संकट के कारण प्याज के दाम गिर गए हैं। प्याज उगाने वाले मुश्किल में हैं, उन्हें राहत देने के लिए नाफेड के जरिए 12.35 पैसे प्रति द्वद्द प्याज खरीदना शुरू कर दिया गया है। कपास, सोयाबीन, अरहर समेत कई फसलों की एमएसपी बढ़ाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही एक मीटिंग होगी और चीनी की एमएसपी को लेकर पॉजीटिव फैसला लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि देश का पैसा और समय बचाने के लिए *वन नेशन, वन इलेक्शन* के सिद्धांत के अनुसार सभी राज्यों के लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कॉन्सेप्ट का सभी को सपोर्ट करना चाहिए। चौहान ने यह भी अपील की कि संकट के समय में सभी को एक देश के रूप में एक साथ खड़ा होना चाहिए और समय-समय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र ने एक साल में 30 लाख घरों का टारगेट पूरा कर लिया है, जो अब तक देश में सबसे ज़्यादा है।

आईएमडी ने 21 तक ...

और स्थानीय मौसम संबंधी अपडेट और आधिकारिक सलाहों का पालन करने के लिए कहा गया है। विभाग ने यह भी चेतावनी दी कि तेज हवाओं और बिजली गिरने से कमजोर संरचनाओं, खड़ी फसलों, पेड़ों और बिजली की लाइनों को नुकसान पहुंच सकता है। सलाह में कहा गया है कि लोगों को सलाह दी जाती है कि वे आंधी-तूफान के दौरान घर के अंदर रहें, पेड़ों के नीचे शरण लेने से बचें और बिजली गिरने के दौरान बिजली के उपकरणों को अनप्लग कर दें। आईएमडी ने आगे चेतावनी दी है कि तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण कमजोर कच्चे मकानों और अस्थायी ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है। पिछले 24 घंटों के दौरान, असम और मेघालय के कई क्षेत्रों में भारी बारिश दर्ज की गई, जबकि गुवाहाटी में तेज हवाएं चलीं। गुवाहाटी शहर में हवा की गति 46 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई, जबकि मानस और शिलांग जैसे क्षेत्रों में भी तेज हवा के झोंके देखे गए। अधिकारियों ने कहा कि जिला प्रशासन स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, खासकर राज्य के बाढ़ और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में। मौसम विज्ञान विभाग ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे तेज बारिश और आंधी-तूफान के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें, क्योंकि अस्थायी जलभराव और कम दृश्यता शहरी क्षेत्रों में सड़क यातायात को प्रभावित कर सकती है। असम और मेघालय के अलावा, अरुणाचल प्रदेश के लिए भी शुक्रवार से 17 मई और फिर 20 और 21 मई के बीच भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वानुमान अवधि के दौरान नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में भी भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वोत्तर के विस्तृत क्षेत्र में, आने वाले सप्ताह में मौसम की स्थिति अस्थिर रहने की संभावना है, जिसमें व्यापक वर्षा, गरज के साथ तूफान और तेज हवाएं चलेंगी क्योंकि इस क्षेत्र में मानसून से पहले की गतिविधियां तेज हो रही हैं।

भारत-यूएई के बीच सात ...

मजबूत करना है। इससे भारत को कच्चे तेल और एलपीजी की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह समझौता भविष्य में वैश्विक संकट या तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान भारत को राहत देने में मदद करेगा। एलपीजी आपूर्ति सहयोग समझौते के तहत यूएई भारत को दीर्घकालिक आधार पर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की घरेलू गैस जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलेगी। यह समझौता ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के साथ दोनों देशों की आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत करेगा। भारत और यूएई के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी ढांचे का उद्देश्य रक्षा उद्योग सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत दोनों देश रक्षा तकनीक साझा करने और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा और दोनों देशों के सामरिक संबंध मजबूत होंगे। वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने का समझौता भारत के समुद्री और औद्योगिक क्षेत्र को नई गति देगा। इससे जहाज मरम्मत उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और *मेक इन इंडिया* अभियान को मजबूती मिलेगी। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। जहाज निर्माण और मरम्मत क्षेत्र में कौशल विकास सहयोग का उद्देश्य भारतीय युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण देना है। इससे भारत में शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे। भारत में एआई सुपर कंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने के समझौते के तहत यूएई की तकनीकी कंपनी भारत में अत्याधुनिक डेटा सेंटर और सुपर कंप्यूटर क्षमता विकसित करेगी। इससे भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अनुसंधान और डिजिटल नवाचार मिशन को गति मिलेगी तथा तकनीकी क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी। यूएई के भारत में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बड़ा समर्थन देगी। यह निवेश सड़क, बंदरगाह, ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और भारत की विकास गति को मजबूती मिलेगी।

धार की ऐतिहासक भोजशाला ...

अधिकार प्रदान किया है और भोजशाला परिसर को राजा भोज की संपत्ति के रूप में मान्यता दी है। लंदन के एक संग्रहालय में रखी हमारी मूर्ति को वापस लाने की मांग के संबंध में न्यायालय ने सरकार को विचार करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने यह भी कहा है कि मुस्लिम पक्ष भी सरकार के समक्ष अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने सरकार से मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक भूमि आवंटित करने पर विचार करने को कहा है। न्यायालय ने हमें पूजा-अर्चना करने का अधिकार प्रदान किया है और सरकार को स्थल के प्रबंधन की निगरानी करने का निर्देश दिया है। एएसआई का पिछला आदेश, जिसमें नमाज अदा करने का अधिकार दिया गया था, पूरी तरह से रद्द कर दिया गया है, अब से वहां केवल हिंदू पूजा-अर्चना ही होगी। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर भोजशाला मामले में मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की युगलपीठ में छह अप्रैल से 12 मई 2026 तक नियमित सुनवाई हुई। इन 24 दिनों में कुल 43 घंटे चली सुनवाई के दौरान हिंदू और मुस्लिम पक्षों ने अपने-अपने तर्क न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। इसके बाद 12 मई को न्यायालय ने सभी याचिकाओं में निर्णय सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया। इस दौरान अंतरसिंह की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि दोनों पक्षों में सौहार्द बना रहे, इस तरह की व्यवस्था का आदेश दिया जाए। उच्च न्यायालय के फैसले पर भोज उत्सव समिति के अध्यक्ष सुमित चौधरी ने खुशी जताते हुए इसे हिंदू समाज के वर्षों पुराने संघर्ष की जीत बताया। उन्होंने कहा कि 1935 में हिंदू भोज समिति की स्थापना करने वाले कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। बड़ी संख्या में मौजूद हिंदू समाज ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए सभी पक्षकारों, अधिवक्ताओं और इस संघर्ष से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त किया। संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह फैसला लंबे समय से चल रहे प्रयासों का परिणाम है और इसके लिए सभी सूत्रधारों को धन्यवाद दिया जाना चाहिए। भोजशाला के फैसले पर धार शहर काजी वकार सादिक ने कहा है कि उच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान है। उनकी ओर से सलमान खुर्शीद और शोभा मेनन ने तथ्य रखे थे। हम फैसले की समीक्षा करेंगे। इसके बाद हम उच्चतम न्यायालय जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट की भी समीक्षा की जाएगी। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अदालत ने रिपोर्ट के किन हिस्सों को स्वीकार किया है और किन्हें नहीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राम जन्मभूमि मामले में भी उच्चतम न्यायालय ने एएसआई रिपोर्ट को पूरी तरह आधार नहीं बनाया था।

आरजी कर कांड में ...

की विभागीय जांच होगी। जिन अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है उनमें तत्कालीन कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, तत्कालीन डीसी नॉर्थ अभिषेक गुप्ता और तत्कालीन डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखोपाध्याय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री का पद संभालने के बाद उन्होंने मुख्य सचिव और गृह सचिव से आरजी कर मामले तथा उसके बाद की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रारंभिक प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को सही तरीके से हैंडल नहीं किया गया और प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर शुरुआती जांच तक कई स्तर पर गंभीर चूक हुई। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विभिन्न समाचार माध्यमों से यह जानकारी सामने आई थी कि पीड़िता की मां को राज्य सरकार की ओर से पैसे देने की कोशिश की गई थी। यह *एक प्रकार की घूस देने की कोशिश* थी और इसकी भी जांच की जाएगी। उस समय संबंधित अधिकारियों ने किन लोगों से बातचीत की, उनके कॉल रिकॉर्ड और व्हाट्सएप चैट की भी जांच होगी। यह भी देखा जाएगा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री या किसी मंत्री की ओर से कोई निर्देश दिया गया था या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन अधिकारियों के खिलाफ आरोप हैं, उन्हें जांच प्रक्रिया से अलग रखकर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी।

मणिपुर हिंसा : बंधक ...

डॉन बास्को के दो सेल्सियन भाइयों को भी अलग-अलग स्थानों पर सशस्त्र समूहों द्वारा रिहा किया गया। गुरुवार की शाम कुकी समुदाय की 18 वर्षीय किशोरी सहित तीन व्यक्तियों को सेनापति जिले में पुलिस टीमों को सौंपा गया। कांगपोकपी जिले में रिहा हुई एक महिला ने कहा कि हमें आंखों पर पट्टी और हाथ बांधकर ले जाया गया। हमें नहीं पता था कि हमें कहां ले जाया गया। मुझे ऐसा लगा कि हमें पहाड़ी क्षेत्रों में ले जाया गया। किसी ने हमारा उत्पीड़न नहीं किया। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कोन्थौजम ने कहा था कि सरकार इन लोगों की रिहाई के लिए नागरिक समाज समूहों व नेताओं से चर्चा कर रही है। मणिपुर सुरक्षा बलों ने थौबल जिले से प्रतिबंधित कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) ताइबंगबा संगठन के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार कर नोंई जिले में फायरिंग के बाद तलाशी अभियान शुरू किया। इसमें एक नागरिक की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मणिपुर पुलिस ने कहा कि नोंई जिले के खौपुम पुलिस स्टेशन के तहत जौजांगटेक और नुंगसाई-टू गांव के सीमा क्षेत्र में 13 मई को अज्ञात बंदूकधारियों की अंधाधुंध फायरिंग की। केंद्र ने 2023 मणिपुर हिंसा की जांच के लिए आयोग को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए छह महीने का और विस्तार दिया है, जो 20 नवंबर तक होगा। तीन सदस्यीय पैनल को मणिपुर में 4 जून, 2023 को जातीय हिंसा के बाद स्थापित किया गया था। जिसे अब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बलबीर सिंह चौहान द्वारा संचालित किया जा रहा है। न्यायाधीश चौहान ने एक मार्च को कार्यभार संभाला।

नीट पेपर लीक का...

बाघमारे के सहारे उसने उसे लीक कर दिया। तीन मई को हुई नीट परीक्षा को पेपर लीक की पुष्टि के बाद रद कर दिया गया और सीबीआई ने 12 मई को एफआईआर दर्ज कर इसकी जांच शुरू की। कुलकर्णी को मिलकर कुल आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार गुरुवार को मनीषा बाघमारे की गिरफ्तारी और उससे पूछताछ के बाद पीवी कुलकर्णी का नाम सामने आया था। पेपर लीक में शामिल आरोपितों से बातचीत और पैसे के लेन-देन के सबूत के बारे में संतोषजनक जानकारी नहीं दे पाने के बाद मनीषा बाघमारे को गिरफ्तार किया गया था। वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मनीषा अपने घर पर छात्रों को नीट की तैयारी कराती थी। कुलकर्णी से पेपर मिलने के बाद मनीषा ने छात्रों के लिए विशेष क्लास बुलाई और उन्हें नीट के संभावित सवालों, उसके विकल्पों और सही जवाब के बारे में बताया। सीबीआई के अनुसार, क्लास में छात्रों के हाथ लिखे नोटबुक में लिखे सवाल हू-ब-हू वही थे, जो नीट की परीक्षा में पूछे गए थे। सीबीआई को आशंका है कि कुलकर्णी के साथ-साथ एनटीए में प्रश्नपत्र बनाने वाली कमेटी के अन्य सदस्य भी शामिल हो सकते हैं। राजस्थान में गेस पेपर की आड़ में बेचे गए लीक प्रश्नपत्र में जीव विज्ञान के प्रश्न पत्र भी हू-ब-हू मिले हैं। कुलकर्णी के हाथ जीव विज्ञान के प्रश्नपत्र कैसे हाथ लगे, सीबीआई इसका पता लगा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पूरे मामले में एनटीए के किसी वरिष्ठ अधिकारी के शामिल होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीबीआई प्रश्नपत्र बनाने से लेकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने की पूरी प्रणाली में शामिल डिजिटल उपकरणों की फारेंसिक जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

अमेरिका-चीन तीन साल ...

की है कि शी इस न्योते को स्वीकार करेंगे या नहीं। दोनों नेता नवंबर में शेन्जेन में होने वाली एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) बैठक और दिसंबर में फ्लोरिडा में होने वाली जी 20 बैठक के दौरान भी मिल सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक भी सितंबर की शुरुआत में न्यूयॉर्क में होनी तय है। इस यात्रा के दौरान ट्रंप ने शी के साथ व्यापार सौदों की तारीफ की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और जिनपिंग ने बीजिंग शिखर सम्मेलन के दौरान कुछ महत्वपूर्ण सौदे किए और अमेरिका-ईरान संघर्ष को खत्म करने की इच्छा साझा की। दोनों नेताओं ने शुक्रवार सुबह चीन की सत्ता के केंद्र झोंगनानहाई गार्डन परिसर में द्विपक्षीय बैठक की।

कुछ युवा तिलचट्टों की...

के जरिए इसे आगे बढ़ाने की कोई चीज। बेंच ने पूछा, आप इसे आगे बढ़ा रहे हैं। क्या यह सही लगता है? साथ ही, यह सवाल भी किया कि क्या सीनियर डेजिग्नेशन सिर्फ एक स्टेटस सिंबल है जिसे सिर्फ दिखाने के लिए रखा जाए। जस्टिस बागची ने कहा कि क्या सीनियर एडवोकेट का टैग एक स्टेटस सिंबल है जिसे दिखाने के लिए रखा जाए या यह जस्टिस सिस्टम में आपके हिस्सा लेने के लिए है? सुनवाई के दौरान एक समय पर, बेंच ने पिटीशनर से कहा कि पूरी दुनिया सीनियर (एडवोकेट) बनने के लायक हो सकती है, लेकिन कम से कम आप तो इसके हकदार नहीं हैं। नाराज दिख रहे सीजेआई ने पिटीशनर द्वारा फेसबुक पर कथित तौर पर इस्तेमाल की गई भाषा का भी जिक्र किया और चेतावनी दी कि ऐसा बर्ताव लीगल प्रोफेशन के सदस्यों से उम्मीद किए जाने वाले अनुशासन के खिलाफ है। सीजेआई ने कहा कि लोगों को समझने दो कि आप फेसबुक पर किस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

श्यामकानु की जमानत...

मामले की संवेदनशीलता और चर्चित स्वरूप के कारण इस पर लोगों की नजर बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 13 मई को न्यायमूर्ति पार्थिवज्योति सैकिया की एकल पीठ ने श्यामकानु महंत की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। वहीं, फास्ट ट्रैक कोर्ट ने भी 30 अप्रैल को आरोपपत्र पर विस्तृत सुनवाई के बाद उसकी जमानत अर्जी नामंजूर कर दी थी। सूत्रों के अनुसार, पूर्व में याचिका खारिज होने के बाद महंत के अधिवक्ताओं ने गौहाटी उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार कार्यालय में आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर नई याचिका दायर की थी। मामले के एक अन्य आरोपित सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका भी पहले ही खारिज की जा चुकी है। यह मामला अब भी पूरे असम में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है।

नीट की परीक्षा 21 ...

neet-ug@nta.ac.in ई-मेल तथा हेल्पलाइन नंबर 011-40759000 और 011-69227700 जारी किए गए हैं। इसी बीच कल देररात शिक्षामंत्री के आवास पर नीट परीक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी परीक्षा की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक में सचिव (उच्च शिक्षा), सचिव (स्कूल शिक्षा), एनटीए के महानिदेशक, सीबीएसई अध्यक्ष, केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति के आयुक्त सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

असम के नगांव में जंगली हाथी के हमले में दो ग्रामीणों की मौत

नगांव (हिंस)। राज्य में एक बार फिर से हाथी और इंसानों के बीच टकराव की स्थिति देखने को मिली है। हाथी के हमले में दो ग्रामीणों की मौत हो गयी। इस घटना को लेकर पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर वन विभाग की टीम पहुंचकर हाथियों को जंगल में खदेड़ने की कार्रवाई शुरू कर चुकी है। इलाके में हाथी की मौजूदगी के चलते क्षेत्र के स्कूलों को आज बंद रखने का निर्णय लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, नगांव जिला के सामागुरी के बाजियागांव में शुक्रवार तड़के यह घटना घटी। मृतकों की पहचान बाजियागांव निवासी शरीफुल इस्लाम और प्रणव दास के रूप में की गई है। बताया गया है कि इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दास की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। ग्रामीणों के अनुसार, इस्लाम और दास अपनी सब्जी की खेती की रखवाली करने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान खेत में हाथी को देख दोनों उसे खदेड़ने में जुट गये। इंसानों को देख हाथी ने पलटवार कर दिया। दोनों अपनी जान बचाने के लिए भागने की कोशिश की, लेकिन दोनों हाथी की चपेट में आ गये। जिसके चलते इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दास की अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही इस मामले को लेकर पुलिस विभाग आगे की कार्रवाई में जुटी गई है। वहीं, इस घटना को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन जंगली हाथी गांव में पहुंचकर खेती को नुकसान करने के साथ ही घरों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। वन विभाग इस समस्या से छुटकारा दिलाने में लगातार विफल हो रहा है।

जुलाई में आयोजित होगा असम विधानसभा का बजट सत्र

नगांव (हिंस)। दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थल बटद्रवा थान पहुंचे और वहां दर्शन-पूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि असम विधानसभा का बजट सत्र जुलाई महीने में आयोजित किया जाएगा, जिसमें आगामी पांच वर्षों के विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की जनता से मिले सुझावों को बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि असम की जनता ने सरकार से काफी उम्मीदें लगा रखी हैं और सरकार जनता के प्रति पूरी तरह जवाबदेह है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के बेदखल किए गए सत्रों की भूमि को पुनः मुक्त कराने के लिए सत्र आयोग पहले की तरह कार्य करता रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह स्वयं सत्र आयोग के साथ लगातार संपर्क में रहेंगे और इस अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भाजपा नीत गठबंधन को मिले प्रचंड जनादेश का उल्लेख करते हुए कहा कि 102 सीटों के समर्थन से सरकार का गठन हुआ है, इसलिए सरकार की जिम्मेदारियां भी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि असमवासियों की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं बहुत बड़ी हैं तथा सरकार उन उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेगी।

हिमंत की वजह से असम के लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं : सत्राधिकार

गुवाहाटी (हिंस)। आउनीआटी सत्र के सत्राधिकार श्री श्री पीतांबर देव गोस्वामी ने आज कहा कि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम का प्रत्येक खिलंजिया (लोकल) स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने आज मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के खिलंजिया लोगों, वैष्णव सत्र-संस्कृति तथा असम की परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया है। संवेदनशील मुद्दों पर मुख्यमंत्री की स्पष्ट और दृढ़ भूमिका के कारण राज्य के लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है। सत्राधिकार ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी पांच वर्षों में भी मुख्यमंत्री सत्र-संस्कृति, धार्मिक संस्थानों तथा असम की सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा के लिए और अधिक सक्रियता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

अमीनगांव में 21 करोड़ 36 लाख रुपए के नशीले पदार्थ जब्त, पांच गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के अमीनगांव में एक बड़ी पूछताछी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 21 करोड़ 36 लाख रुपए कीमत के नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण कुमार पाठक के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में 197 साबुन के डिब्बों से 2 किलो 561 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। वहीं, छिपाकर रखे गए एक चेम्बर (कक्ष) से 8 किलो अफीम भी जब्त की गई है। पुलिस ने मामले में मणिपुर के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है-आब्दुल लतीफ, ताहेर अली, मोहम्मद इस्लामउद्दिन, लतीब अली और आजमेर हाकिम। आरोपियों पर नशीले पदार्थों की तस्करी और वितरण में संलिप्तता का संदेह जताया गया है। घटनास्थल पर मौजूद सुराग और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। अधिकारी तस्करी के नेटवर्क तथा आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बटद्रवा थान प्रबंधन समिति के साथ बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री शर्मा

नगांव (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शुक्रवार को महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थल बटद्रवा थान का दौरा किया। पारंपरिक परिधान धारण कर मुख्यमंत्री ने कीर्तनघर में शराई अर्पित की तथा भक्त वैष्णवों का आशीर्वाद लिया। इसके बाद बटद्रवा थान के नाटघर में बटद्रवा थान प्रबंधन समिति की ओर से मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया। समिति के अध्यक्ष अम्लान ज्योति देव गोस्वामी, उपाध्यक्ष योगेंद्र नारायण देव महंत, कार्यकारी अध्यक्ष गोबिन चंद्र दास सहित अन्य सदस्यों

ने उनका स्वागत किया। स्थानीय दलों और संगठनों की ओर से भी मुख्यमंत्री को सम्मानित किया गया। भक्त वैष्णवों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बटद्रवा थान को विश्व स्तरीय धार्मिक विरासत स्थल के रूप में विकसित करने के लिए सरकार निरंतर कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव ने जिस असम की कल्पना की थी, सरकार उसी असम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। इस बीच मुख्यमंत्री ने बटद्रवा थान प्रबंधन समिति के कार्यालय में समिति के सदस्यों के साथ बैठक भी की। बैठक के दौरान समिति के महासचिव लचित बरदलै ने शलगुरी सत्र और नरोवा सत्र को जोड़ने वाली संकरी सड़क के कारण उत्पन्न हो रही यातायात समस्या, थान परिसर में पेयजल संकट, जल निकासी व्यवस्था की कमी तथा दौल मंदिर और सतीराधिका स्मृति क्षेत्र के विकास की आवश्यकता जैसे मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया। मुख्यमंत्री ने समिति को आश्वस्त किया कि इन सभी समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में चंद्रमोहन पटवारी ने ली शपथ

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा विधायक तथा पूर्व मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने शुक्रवार को असम विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ ली। आगामी 22 मई से आयोजित होने वाले विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर राज्यपाल ने उन्हें शपथ दिलाई। इससे पहले, असम लेजिस्लेटिव असेंबली (एएलए) के सचिव दुलाल पेगू ने कार्रवाई शुरू करने के लिए राज्यपाल से अनुमति मांगी। गुवाहाटी के असम लोक भवन में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में राज्यपाल ने पटवारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नए विधानसभा अध्यक्ष के निर्वाचन तक वे सदन की कार्रवाई का संचालन करेंगे। उल्लेखनीय है कि 22 मई से शुरू होने वाले विधानसभा के विशेष सत्र में नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी तथा सदन की अन्य महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं भी पूरी की जाएंगी।

मॉक ड्रिल: जोरहाट में बम जैसी आवाज से मचा हड़कंप, अचानक बज उठा सायरन

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट के नेहरू पार्क चारिआली इलाके बीती रात को अचानक सायरन बजने और बम जैसी आवाज सुनाई देने से लोगों के बीच कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि बाद में पता चला कि यह भारतीय वायु सेना और असैनिक सुरक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक मॉक ड्रिल का हिस्सा था। यह अभ्यास युद्ध जैसी स्थिति में हवाई हमले के दौरान आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से विभिन्न आपदा एवं राहत एजेंसियों के बीच समन्वय और त्वरित कार्रवाई की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। अभ्यास के दौरान चिकित्सा सेवाओं, अग्निशमन विभाग तथा बचाव दलों ने यह प्रदर्शित किया कि युद्ध की स्थिति में घायल लोगों का उपचार, आग पर काबू पाने और आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य किस प्रकार किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य लोगों में जागरूकता पैदा करना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न विभागों को प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना है।

रंगिया रेलवे हाई स्कूल में बोहागी विदाई समारोह आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया के अग्रणी रेलवे हाई स्कूल प्रांगण में शुक्रवार को बोहागी विदाई उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। पूरा स्कूल परिसर पारंपरिक बिहू के रंगों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के अध्यक्ष तापस सम्मादार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। इस अवसर पर असम के प्रख्यात कलाकार जुबिन गर्ग की तस्वीर के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उपस्थित लोगों ने उनके लोकप्रिय गीत *मायाबिनी* का सामूहिक गायन कर उन्हें नमन किया। उत्सव के दौरान मंच पर असमिया लोक संस्कृति की अनोखी छटा देखने को मिली। छात्र-छात्राओं और अध्यापक-अध्यापिकाओं ने पारंपरिक बिहू नृत्य, बिहू गीत और झुमुर नृत्य प्रस्तुत किए। इस अवसर पर रितम पाल, धनश्री चौमुआ, अलका दास, विजय लक्ष्मी सिंग, पारोमिता सिंह, विकास तालुकदार, गुनगुन सैकिया, सुरंजित कलिता, हीरक ज्योति नाथ, सुलेखा बोरो, चिंकी बरुवा और हीरक ज्योति बरुवा सहित कई शिक्षकों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक भगीरथ नाथ, शिक्षा अधिकारी सीआरसीसी कार्तिक नाथ, सेवानिवृत्त शिक्षक रणजीत सिन्हा, रंगिया शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र तथा बुनियादी प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षार्थी, कई अभिभावक और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। स्कूल प्रबंधन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम काफी सराहनीय रहा।

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में सैनिकों के लिए नई पारगमन सुविधा का उद्घाटन किया

ईटानगर। भारतीय सेना ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले में स्थित सिगार सैन्य स्टेशन में सैनिकों के लिए एक नई पारगमन सुविधा का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य परिचालन तैयारियों को मजबूत करना और अग्रिम क्षेत्रों में तैनात कर्मियों के कल्याण में सुधार करना है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस सुविधा की स्थापना स्पीयरहेड डिवीजन के तत्वावधान में स्पीयरहेड गनर्स द्वारा दूरस्थ परिचालन स्थलों पर आने-जाने वाले सैनिकों के लिए एक आरामदायक पारगमन पड़ाव के रूप में की गई है। *आशियाना* नाम की इस परिवहन सुविधा को आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिसका उद्देश्य रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिकों के लिए आराम और सुविधा सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के मनोबल, स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को बढ़ाना है। उद्घाटन समारोह में उपस्थित वरिष्ठ सेना अधिकारियों ने परिचालन प्रभावशीलता बढ़ाने और सैनिकों को अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने कर्तव्र्त यों का निर्वहन करने में सक्षम बनाने के लिए मजबूत रसद और सहायता अवसंरचना के महत्व पर प्रकाश डाला। भारतीय सेना के स्पीयर कोर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि स्पीयर कोर के अंतर्गत स्पीयरहेड डिवीजन ने सिगार मिलिट्री स्टेशन पर *आशियाना* ट्रांजिट सुविधा का उद्घाटन किया। यह सुविधा ट्रांजिट में सैनिकों के लिए एक आरामदायक पड़ाव प्रदान करती है, जो चुनौतीपूर्ण भूभाग में परिचालन तत्परता, मनोबल और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है।

मठघरिया के भयावह दुर्घटना के आरोपी शमिम को मिली जमानत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के मठघरिया इलाके में बीते 25 अप्रैल, 2026 को हुए भयावह सड़क दुर्घटना के मुख्य आरोपी शमिम अहमद को अदालत से जमानत मिल गई है। इस दर्दनाक हादसे में तीन युवतियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दुर्घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। घटना के 48 घंटे बाद उसे डिब्रूगढ़ जिले से गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान सामने आया कि हादसे से पहले शमिम अहमद ने गुवाहाटी के एक बार में देर रात तक पार्टी की थी। बताया गया है कि वह रात करीब तीन बजे तक तीन युवतियों के साथ मौजूद था और इस दौरान लगभग 19 हजार रुपए की शराब की पार्टी की गई थी। दुर्घटना के बाद पूरे इलाके में भारी आक्रोश देखने को मिला था। घटना ने सड़क सुरक्षा और नशे में वाहन चलाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

प्रख्यात शिक्षाविद गोलोक चंद्र नाथ का निधन

नगांव (निसं)। नगांव शहर के समीप स्थित खुटिकटिया निवासी प्रख्यात समाजसेवी, लेखक-साहित्यकार एवं शिक्षाविद गोलोक चंद्र नाथ का आज तड़के उनके आवास पर वृद्धावस्था संबंधी कारणों से निधन हो गया। निधन के समय उनकी आयु 93 वर्ष थी। गोलोक चंद्र नाथ ने *निगम कल्पतरु और तत्त्व दर्शन*, भागवत का *आंशिक तत्त्व निरूपण*, *अमेरिका की नाना बातें*, *एरिओहा दिनर सुवास* सहित छह पुस्तकों की रचना की थी। वे असम साहित्य सभा के आजीवन सदस्य भी थे। उनका जन्म रोहा के पहुपुरी गांव में हुआ था। दीघलदरी काकतिगांव हाईस्कूल के संस्थापक नाथ अपने जन्मस्थान के विभिन्न सार्वजनिक संस्थानों के प्रमुख प्रेरणास्त्रोतों में से एक थे। उनके निधन पर असम साहित्य सभा के प्रधान सचिव देबजीत बोरा सहित विभिन्न संगठनों, सामाजिक संस्थाओं तथा परिजनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। वे अपने पीछे तीन पुत्र, तीन बहुएं, दो पुत्रियां, दो दामाद और दस नाती-पोतों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उल्लेखनीय है कि उनके कनिष्ठ पुत्र हेमांग रंजन नाथ और सबसे छोटी पुत्री ज्योतिश्री देवी वर्तमान में अमेरिका में कार्यरत हैं।

कछार जिले में तीन करोड़ की याबा टैबलेट बरामद, एक गिरफ्तार

सिलचर (हिंस)। असम के कछार जिले में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की है। शुक्रवार को करीब तीन करोड़ रुपए की संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त करते हुए एक ऑटो चालक को गिरफ्तार किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने कबुगंज की ओर से पानीभोरा की तरफ जा रहे ऑटो रिक्शा संख्या एएस 11 सीसी 4449 को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से कुल 10 हजार संदिग्ध याबा टैबलेट बरामद की गई। बरामद नशीले पदार्थ के साथ पकड़े गए चालक की पहचान हीरामोनी चौधरी के रूप में हुई है, जो हैदोर बाजार और कछुदाराम थाना क्षेत्र का निवासी बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बरामद टैबलेट की जांच ड्रग डिटेक्शन किट (डीडीके) से की गई, जिसमें परिणाम पॉजिटिव पाया गया। जब्त की गई संदिग्ध याबा टैबलेट की अनुमानित बाजार कीमत करीब तीन करोड़ रुपए आंकी गई है। इस संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही मामले से जुड़े अन्य तस्करी नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पूसीरे का जलवायु परिवर्तन पर विशेष जोर

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) द्वारा 15 मई से 5 जून तक अपने सभी मंडलों और इकाइयों में जागरूकता कार्यक्रमों और पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष के आयोजन का विषय जलवायु परिवर्तन रखा गया है, जो पर्यावरण संरक्षण, सुदृढ़ पद्धतियों और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इस ग्रह की रक्षा करने की सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व को रेखांकित करेगा। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य रेल कर्मचारियों, यात्रियों और आम जनता के बीच पर्यावरणीय स्थिरता, स्वच्छता और संरक्षण जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस अवधि के दौरान पूरे एनएफआर नेटवर्क में पौधारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैलियां, सेमिनार और पर्यावरण-अनुकूल पहलों सहित

विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, रेलवे स्टेशनों और कॉलोनियों में स्वच्छता बनाए रखने, जल संरक्षण और रेलवे परिचालन में हरित कार्यों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। रेल अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की उम्मीद की जाती है। कार्यक्रमों में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करने के लिए स्टेशनों, रेल कॉलोनियों, कार्यालयों, कारखानों और अन्य रेल परिसरों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाए जाएंगे। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने निरंतर विभिन्न पर्यावरण-अनुकूल उपाय किए हैं और पूर्वोत्तर क्षेत्र में सतत तथा पर्यावरण-अनुकूल रेलवे संचालन के प्रति प्रतिबद्ध है। यह आयोजन 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूसीरे के सभी मंडलों में विशेष कार्यक्रमों, जागरूकता गतिविधियों और पर्यावरण शपथ ग्रहण के साथ संपन्न होगा।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.68PSC/CON/Exam-03/2026-2027

RESULT

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 15th May, 2026, the results of the recruitment to the posts of **1) Lecturer (English) in College of Teacher Education (C.T.E.) and 2) Lecturer (Science) in College of Teacher Education (C.T.E.) under the Diroctorate of SCERT, Assam** advertised vide no.18/2024 Dated 06/09/2024.

The interviews for the said posts were conducted by the Commission in collaboration with Experts deputed by the Govt. of Assam on 14th & 15th May, 2026. The Commission recommended the following candidates for the said posts, in order of merit:

1. **NAME OF POST : Lecturer (English), in College of Teacher Education (C.T.E.)**
Total no. of post : 2 (RFW : 1)
Break-up : OC: 2 (RFW: 1)

Postion	Roll No.	Name of Candidate	Category	Gender	Recommended against Vacancy
1	30020	PROTYUSH GOGOI	OBC	M	OPEN CATEGORY
2	30019	PRARTHANA BORAH	OBC	F	OPEN CATEGORY

2. **NAME OF POST : Lecturer (Science), in College of Teacher Education (C.T.E.)**
Total no. of post : 1 (RFW : Nil)
Break-up : OC: 1

Postion	Roll No.	Name of Candidate	Category	Gender	Recommended against Vacancy
1	80018	NIBEDAN PATHAK	GEN	M	OPEN CATEGORY

● Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-16/16-May-26

संपादकीय

युद्ध संकट हमारी दहलीज पर

प्रधानमंत्री मोदी ने अपना काफिला कम कर उदाहरण पेश किया है। बुधवार को दो वीडियो सामने आए। एक में काफिले में मात्र दो कारें थीं और दूसरे वीडियो में 4 कारें दिखाई दीं। यह किफायत नहीं, जोखिम है। प्रधानमंत्री से ऐसी कोई अपेक्षा और शिकायत नहीं थी। प्रधानमंत्री एसपीजी के सुरक्षा-कवच में रहते हैं। उस सुरक्षा का अपना प्रोटोकॉल होता है, लिहाजा काफिले में 15 या 20 कारें हैं, इस पर सवाल उठाना ही बेमानी है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा से किसी भी किस्म का समझौता नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की नजीर का अनुसरण रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, सड़क परिवहन मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों ने किया है, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और बिहार के 'भगवा मुख्यमंत्री' सम्राट चौधरी अब भी 19-20 कारों के काफिले के साथ घूमते नजर आए हैं। बहरहाल उन्हें भी जल्द ही सद्बुद्धि आ जाएगी। काफिलों की किफायत और अन्य व्यवस्थाएं स्थायी होनी चाहिए, भेड़चाल या ढोंग के मायने बेहद खतरनाक होंगे। बचत प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायकों आदि तक ही अपरिहार्य नहीं होनी चाहिए। सरकारों में सचिव, अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव, निदेशक स्तर के आईएएस, आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग सरकारी वाहन दिए गए हैं। कटौती उनमें बहुत जरूरी है। वे सभी 2-4 किमी दूर के सरकारी आवासों से दफ्तर तक आते हैं और फिर घर लौटते हैं। सरकारी वाहनों की ऐयाशी और भौकाल खत्म किए जाने चाहिए। ऐसे अधिकारियों को एक विशेष बस या वाहन से दफ्तर लाया जाए और शाम को घर छोड़ा जाए। यह संवैधानिक प्रोटोकॉल नहीं है कि सभी अफसर 'महाराज' की तरह सुविधाएं भोगें। यदि देश में पेट्रोल-डीजल का संकट है, तो किफायत अपरिहार्य है। आपातस्थिति के लिए, तो छूट हमेशा बनी रही है। दरअसल ये अधिकारी ही हमारी व्यवस्था के नीति-निर्माता हैं, लिहाजा निरंकुश-से हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन बैठकों की अपील की है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह कुछ मुख्यमंत्रियों ने इस व्यवस्था को लागू करने के आदेश भी जारी करवा दिए हैं, तो ये आला अफसर भी अमल करें। यदि प्रधानमंत्री की पूरी अपील को सभी सरकार लागू किया जाए, तो साल भर में 11.5 लाख करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। यह बहुत बड़ी राशि है। यदि काफिला छोटा कर तेल बचाया जाता रहा, तो साल भर में करीब 91,250 लीटर डीजल बचेगा। इस तरह 1 करोड़ रुपए की बचत की जा सकेगी। यह शोशेबाजी, स्तवेबाजी अब छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि ईरान युद्ध से उपजे संकट भारत की दहलीज तक आ गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक सार्वजनिक मंच से कहा है कि यदि ईरान युद्ध जारी रहा और लंबा खिंचा, तो सरकार को पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम बढ़ाने पड़ेंगे। रसोई गैस का सिलेंडर भी महंगा होगा, क्योंकि ये सभी आयातित हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी भी बड़े दुखी अंदाज में खुलासा कर रहे हैं कि देश की तेल कंपनियों को 1000 करोड़ रुपए हररोज का औसतन घाटा झेलना पड़ रहा है। युद्ध के 75 दिनों में यह घाटा 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। निश्चित है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। बुधवार को कच्चे तेल के दाम 108 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए थे। हालांकि युद्ध के इस अंतराल में 98 देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ चुके हैं। 140 देशों को तेल से जुड़े प्रोटोकॉल लागू करने पड़े हैं। अमरीका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, रूस समेत वियतनाम, फिलीपींस, बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैंड आदि देशों को पेट्रो उत्पादों की राशनिंग करनी पड़ी है और कई प्रोटोकॉल लागू करने पड़े हैं। भारत ने इन 75 दिनों में यह बोझ अपनी जनता पर पडने नहीं दिया है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। अब संकट बढ़ता जा रहा है, तो शुरुआत बचत से की जा रही है। बचत के ऐसे आह्वान लालबहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, डा. मनमोहन सिंह सरीखे प्रधानमंत्रियों ने भी किए थे। अब आईएमएफ के मानकों के मुताबिक, भारत अभी गंभीर संकट में नहीं है, करीब 11 माह के आयात के लिए विदेशी मुद्रा पर्याप्त है, लेकिन डॉलर की तुलना में 'रुपया' 96 के करीब पहुंच चुका है, आयात के लिए 34,000 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान करना पड़ा है, लिहाजा सावधान होना तो जरूरी है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा से किसी भी किस्म का समझौता नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की नजीर का अनुसरण रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, सड़क परिवहन मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों ने किया है, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और बिहार के 'भगवा मुख्यमंत्री' सम्राट चौधरी अब भी 19-20 कारों के काफिले के साथ घूमते नजर आए हैं। बहरहाल उन्हें भी जल्द ही सद्बुद्धि आ जाएगी। काफिलों की किफायत और अन्य व्यवस्थाएं स्थायी होनी चाहिए, भेड़चाल या ढोंग के मायने बेहद खतरनाक होंगे। बचत प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायकों आदि तक ही अपरिहार्य नहीं होनी चाहिए। सरकारों में सचिव, अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव, निदेशक स्तर के आईएएस, आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग सरकारी वाहन दिए गए हैं। कटौती उनमें बहुत जरूरी है। वे सभी 2-4 किमी दूर के सरकारी आवासों से दफ्तर तक आते हैं और फिर घर लौटते हैं। सरकारी वाहनों की ऐयाशी और भौकाल खत्म किए जाने चाहिए। ऐसे अधिकारियों को एक विशेष बस या वाहन से दफ्तर लाया जाए और शाम को घर छोड़ा जाए। यह संवैधानिक प्रोटोकॉल नहीं है कि सभी अफसर 'महाराज' की तरह सुविधाएं भोगें। यदि देश में पेट्रोल-डीजल का संकट है, तो किफायत अपरिहार्य है।

भाजपा की जीत के तात्कालिक कारण और उसके परिणाम क्या हैं, इसकी चर्चा सब जगह हो रही

बंगाल और असम की जीत के अर्थ

पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की सुनामी जीत हुई है, अब अपने आप में यह कोई खबर नहीं है। इस चुनाव और इसके परिणाम को बूझने के लिए तात्कालिक विश्लेषण भी हो रहे हैं और ऐतिहासिक विश्लेषण भी। भाजपा की जीत के तात्कालिक कारण और उसके परिणाम क्या हैं, इसकी चर्चा सब जगह हो रही है। इसलिए यहां उस पर माथापच्ची करने की शायद जरूरत नहीं है। हम यहां केवल ऐतिहासिक संदर्भ में इसका विश्लेषण करेंगे। इसके लिए हमें बीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक में जाना होगा। 1905 में ब्रिटेन ने बंगाल का विभाजन किया था। इस विभाजन में बंगाल और असम को एक भौगोलिक ईकाई मान कर उसके दो हिस्से किए थे। एक हिस्सा पश्चिमी बंगाल जो मोटे तौर पर आज का पश्चिमी बंगाल ही था और दूसरा हिस्सा पूर्वी बंगाल जिसमें मोटे तौर पर आज का बांग्लादेश और असम की ब्रह्मपुत्र घाटी, सुरमा घाटी के सिलहट और कछार क्षेत्र, मेघालय, त्रिपुरा, नागा व मिजोरम क्षेत्र शामिल था। आज के बांग्लादेश और असम का नाम पूर्वी बंगाल रखा गया था। पूर्वी बंगाल की राजधानी ढाका बनाई गई थी। यह कहने की जरूरत नहीं है कि इस तथाकथित पूर्वी बंगाल में उन लोगों का बहुमत था जिनके पूर्वज सदियों पहले एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) शासन काल में अपनी सनातन परंपराएं त्याग कर विदेशी शासकों के मजहब इस्लाम में ही दीक्षित हो गए थे। अब वे भारत के देसी मुसलमान थे। लार्ड कर्जन इसे मुस्लिम प्रदेश ही कहते थे। उन्होंने एटीएम के मुस्लिम जमींदारों को समझा दिया था कि मुगल सत्ता खत्म होने के बाद नई राजनीतिक व्यवस्था में उनका अपना एक प्रदेश बन जाएगा। लेकिन अलग मजहब के बावजूद सम्पूर्ण बंगाल में इस विभाजन का सभी ने इतना विरोध किया कि ब्रिटेन को 1911 में इस विभाजन को रद्द करना पड़ा। बंगाल और असम पुनः अपने पुराने स्वरूप में स्थापित हुए। लेकिन क्या ब्रिटिश सरकार ने अपनी विभाजन की योजना त्याग दी? शायद नहीं। अलबत्ता इस बार इतना समझ आ गया कि देसी मुसलमानों ने अभी अपने पुरखों से स्वयं को आंतरिक रूप से छोड़ा नहीं है। दूसरा उन्होंने अभी एटीएम मूल के मुसलमानों को सामाजिक व सांस्कृतिक जीवन में अपना मार्गदर्शक नहीं स्वीकारा है। ये दोनों कारक विभाजन की ब्रिटिश रणनीति के रास्ते के मुख्य अवरोधक थे। इनको किसी तरह रास्ते से हटाना था। इसके लिए उन्होंने बंग-भंग के तुरंत बाद 1905 में ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना कर दी और विभाजन को समाप्त कर दिया। इससे बंगाल के इतिहास का एक अध्याय तो समाप्त हुआ लेकिन दूसरा शुरू हो गया। बंगाल में 1937 से 1942 तक (6 साल) कृषक प्रजा पार्टी के अबुल कासिम फजलुल्लाह हक और 1943 से 1947 (लगभग चार साल) तक मुस्लिम लीग के ख्वाजा निजामुद्दीन और हुसैन शहीद सुहरावर्दी प्रधानमंत्री रहे। फजलुल्लाह हक और उसकी पार्टी की मोटे तौर पर किसी से तुलना करनी हो तो पंजाब में दीनबंधु छोटू राम की यूनियनिस्ट पार्टी से की जा सकती है। पंजाब में मुस्लिम लीग के खिलाफ यूनियनिस्ट पार्टी की स्थापना सिकन्दर हयात खान, खजिर हयात टिवाना जैसे देसी मुसलमानों ने सर छोटू राम के साथ मिलकर की थी। यूनियनिस्ट पार्टी ने मुस्लिम लीग के खिलाफ मजहब से निरपेक्ष रहकर सभी किसानों का संगठन किया और चुनाव में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों को परास्त किया। यह पार्टी विभाजन के खिलाफ थी। इस पार्टी ने पंजाब में मुस्लिम लीग के प्रभाव को बहुत देर तक रोके रखा था। मुस्लिम लीग के पीछे एटीएम मुसलमान थे। असम में 1937 से 1947 तक के दस साल में से सात साल मुस्लिम लीग के मोहम्मद सादुल्लाह प्रधानमंत्री रहे। सादुल्लाह मुस्लिम लीग के थे। उन्होंने सात साल असम में ग्रोव मोर फूड अभियान की छाया में ग्रोव मोर मुस्लिम चलाया। इसके तहत बंगाल से मुसलमानों को लाकर असम में बसाया गया। 1946 तक आते आते असम में बहुत से जिले खासकर सिलहट मुस्लिम बहुल हो गए। 1947 में विश्व युद्ध के चलते ब्रिटेन के लिए यहां रहना मुश्किल हो गया। जाने से पहले वे बंगाल के पुराने काम को निपटा लेना चाहते थे। उनकी मंशा पूरा बंगाल और असम पाकिस्तान के हवाले करना था। उधर कांग्रेस को सत्ता पा लेने की जल्दी थी। मुस्लिम लीग कांग्रेस की इस कमजोरी को समझ गई थी। 1947 में असम में मुख्यमंत्री मुस्लिम लीग के ही थे। ब्रिटेन की योजना असम पाकिस्तान को देने की थी। कांग्रेस इससे निरपेक्ष थी। तब असम के कांग्रेसी नेता गोपीनाथ बरदोलाइ के प्रयास से असम पाकिस्तान जाने से बच गया। बंगाल में मुख्यमंत्री मुस्लिम लीग के सुहारबर्दी थे। उनकी सरकार ने बंगाल से हिंदुओं को निकालने के लिए डायरेक्ट एक्शन चलाया जिसमें सरकारी सहायता से कुछ दिनों में ही हजारों हिंदू मारे गए। अलबत्ता जब विभाजन की बात चली तो मुस्लिम लीग पूरा बंगाल पाकिस्तान में लाने के लिए कटिबद्ध थी। मुस्लिम के कुछ लोगों ने बंगला अस्मिता के नाम पर बंगाल को अलग देश बना दिए जाने का राग अलापना शुरू कर दिया। ताज्जुब तो तब हुआ जब कांग्रेस का एक धड़ा भी इस राग में शामिल हो गया। योजना यही थी कि अलग बंगाल बन जाएगा तो कुछ अरसे बाद मजहब के नाम पर पाकिस्तान में शामिल हो जाएगा। यह श्रेय डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जाता है कि उन्होंने कहा कि बंगाल को जनसंख्या के लिहाज से विभाजित किया जाना चाहिए। इसी कारण बंगाल का पश्चिमी भाग भारत में रह गया। लेकिन क्या इस विभाजन के बाद एटीएम ने अपनी योजना त्याग दी? इसका उत्तर न में है। 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद इस योजना को पुनः चालू किया गया। एटीएम को पूर्वी बंगाल का पाकिस्तान के कब्जे से निकल जाना पच नहीं रहा था। 1971 में पुरानी योजना नए रूप में चालू हुई। बांग्लादेशी मुसलमानों को अवैध रूप से पश्चिमी बंगाल और असम में भेजा जाने लगा। यह काम जमायते इस्लामी के एजेंट करते थे। यह संगठन सरहद के दोनों ओर है। पिछले पांच दशकों में असम के अनेक जिलों में इन बांग्लादेशी अवैध मुसलमानों के चलते हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। बंगाल के बांग्लादेश की सीमा से लगते जिलों में तो मुसलमानों की आबादी 79 फीसदी तक हो गई है। असम और पश्चिमी बंगाल में कांग्रेस और सीपीएम वोटों के लालच में उन्हें भारतीय दस्तावेज मुहैया करवाती हैं। ममता बनर्जी के शासन में यह गति और तेज हो गई। अमरीका की मदद से बांग्लादेश की सत्ता कुछ साल मोहम्मद युनूस के हवाले कर दी। उसने परोक्ष रूप से सत्ता जमायते इस्लामी को दे रखी थी। वहां हिंदुओं को या तो मारा जाने लगा या फिर मतांतरित किया जाने लगा। अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की बाढ़ सी आ गई। इधर ममता की सरकार ममता से उनको संभालने का काम करती रही। नारे लगने लगे कि असम और पश्चिमी बंगाल अब बांग्लादेश के साथ मिल कर ग्रेटर बंगाल बनाएंगे और यह ग्रेटर बंगाल एक नया इस्लामी देश बनेगा। लेकिन असम और बंगाल के चुनाव परिणामों ने इस अश्वमेध को रास्ते में रोक लिया। रोकने वाले लव और कुश शुभेंदु अधिकारी और हेमंत विश्व शर्मा हैं। जय मां काली। जय मां कामाख्या देवी।

भाजपा की जीत के तात्कालिक कारण और उसके परिणाम क्या हैं, इसकी चर्चा सब जगह हो रही है। इसलिए यहां उस पर माथापच्ची करने की शायद जरूरत नहीं है। हम यहां केवल ऐतिहासिक संदर्भ में इसका विश्लेषण करेंगे। इसके लिए हमें बीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक में जाना होगा। 1905 में ब्रिटेन ने बंगाल का विभाजन किया था। इस विभाजन में बंगाल और असम को एक भौगोलिक ईकाई मान कर उसके दो हिस्से किए थे। एक हिस्सा पश्चिमी बंगाल जो मोटे तौर पर आज का पश्चिमी बंगाल ही था और दूसरा हिस्सा पूर्वी बंगाल जिसमें मोटे तौर पर आज का बांग्लादेश और असम की ब्रह्मपुत्र घाटी, सुरमा घाटी के सिलहट और कछार क्षेत्र, मेघालय, त्रिपुरा, नागा व मिजोरम क्षेत्र शामिल था। आज के बांग्लादेश और असम का नाम पूर्वी बंगाल रखा गया था। पूर्वी बंगाल की राजधानी ढाका बनाई गई थी।

देश दुनीया से

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और "ग्लोबल साउथ" की भूमिका पर जोर दिखाई दिया। देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेइ लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं। जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़

पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं- पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीः बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने "मल्टीपोलर वर्ल्ड" के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो। दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधः भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया। तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतः बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके। चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंताः ईरान-इज़राइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है। एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है। पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजः बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं—जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज—को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई। छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगः भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएः हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं।

आप का नजरीया

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे।

देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है। लेकिन देखने में आता है कि जल्दी ही राजनीतिक बयानबाजी और कालांतर नौकरशाही की उदासीनता में बदल जाता है। यही वजह है कि महिलाएं इस भय को अपनी नियति मानकर जीने को अभिशप्त हैं। दिल्ली की जागरूक जनता को चाहिए कि वे नांगलोई की घटना को महज एक और गुजरती सुर्खी बनकर न रहने दें। उन्हें इसे ऐसे अपराधों को रोकने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ बनाना चाहिए। निस्संदेह, दिल्ली के अधिकारियों को निजी परिवहन संचालकों की व्यापक जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं।

कुछ अलग

फेमिन में ड्यूटी...

ड्यूटी तो वे कर रहे थे, लेकिन वे संतुष्ट नहीं थे। सदैव परेशान रहना तथा अभावों से घिरे रहना ही हो पाता था इस ड्यूटी से। वे इनसे निजात चाहते थे। उन्हें पता लग गया था कि अच्छे लोगों की सरकार को तलाश है ताकि उन्हें अकाल पीड़ित क्षेत्रों में लगाया जा सके। वे भी उनकी सेवा करके इस जन्म को सार्थक कर लेना चाहते थे। परंतु फेमिन में ड्यूटी लगवाना आसान नहीं था। बड़ी एप्रोच की आवश्यकता थी। जिनकी ड्यूटी लगी थी, वे एक माह में ही टमाटर की तरह लाल हो गए थे। बस यही भाव उन्हें सालता था और वे सदैव इस बात के लिए प्रेरित रहने लगे थे कि उनकी ड्यूटी फेमिन में लग जाए। सुबह-सुबह ही आए मेरे घर और बोले- 'शर्मा कोई जुगाड़ बैठाओ।' मैंने पूछा- 'किस बात का?' वे बोले- 'यार मेरी ड्यूटी फेमिन में लगवा दो तो तुम्हारा अहसान जीवन भर नहीं भूलूंगा। मेरी हालत तो तुम जानते हो। हम लोग हर चीज के लिए मोहताज हैं। यदि अकाल पीड़ित क्षेत्र में ड्यूटी लग जाए तो बहती गंगा में हाथ मैं भी धो लूं।' 'लेकिन बि_ल भाई तुम्हारा तो मिशनरी सेवा भाव का कोई इतिहास ही नहीं रहा। कल कहीं से कोशिश कर-कराके तुम्हारी वहां ड्यूटी लगवा दी जाए तो तुम क्या कर पाओगे? वहां एक्चुएली वर्कर्स की आवश्यकता है। लोग पानी, चारा और अन्न की समस्या से जूझ रहे हैं। उन तक राहत सही रूप में पहुंचनी चाहिए।' बि_ल बोले- 'भाई शर्मा तुम भी कमाल करते हो। मैं वर्कर नहीं हूं, यह तुमने कैसे जाना? मैं पहले कई स्वयंसेवी संगठनों के लिए काम कर चुका हूं। अकाल इतना विकट है, मुझे भली प्रकार से पता है कि इस मुसीबत की घड़ी में मुझे पीड़ित लोगों के लिए क्या करना चाहिए।

दृष्टि कोण

बड़ी मछलियों तक 'पेपर लीक कांड' की जांच पहुंचने के आसान कम?

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में धर पकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मोहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं, वह बड़े-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पिक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा? करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांडों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके। अखबार पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकडे.गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है। अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती।

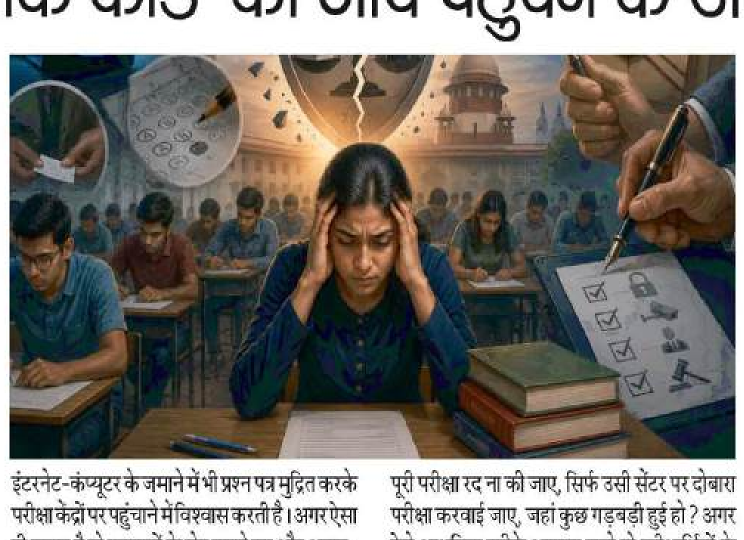

इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है। अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्पपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता। केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षक परीक्षाएं कुख्यात हैं जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं थी, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपरलीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हर्जाना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुर्माने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं, दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

अमृतसर एयरपोर्ट पर 2.58 करोड़ का सोना पकड़ा, यात्री गिरफ्तार

अमृतसर (हिंस)। श्री गुरु राम दास जी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक यात्री से 2.58 करोड़ रुपए कीमत का सोना बरामद किया है। यह यात्री मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच-119 से अमृतसर से कुआलालंपुर जा रहा था। कस्टम अधिकारियों को यात्री की गतिविधियों पर संदेह हुआ, जिसके बाद उसे रोका गया। अधिकारियों ने उसकी गहन जांच की, जिसमें यात्री के पास से 1, 676 ग्राम 24 कैरेट सोना बरामद किया गया। यह सोना कड़ा और गोल्ड बिस्किट के रूप में छिपाकर रखा गया था। बरामद सोने की कुल कीमत करीब 2.58 करोड़ रुपए बताई जा रही है। कस्टम विभाग ने सोने को कस्टम एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया है। यात्री को गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि इस मामले के तार किसी बड़े सोना तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं, जिसकी जांच की जा रही है।

पंजाब के किसानों ने किया चंडीगढ़ कूच पुलिस ने वाटर कैनन व लाठीचार्ज से रोका

कई घंटे तक चंडीगढ़ व पंजाब की सभी सीमाएं रही सील

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के किसानों ने शुक्रवार को मोहाली बॉर्डर से चंडीगढ़ की तरफ कूच किया, तो पुलिस ने उन्हें घेरते हुए वाटर कैनन का इस्तेमाल व लाठीचार्ज किया। पंजाब के किसान संगठन अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात करने के लिए जाना चाहते थे। चंडीगढ़ व मोहाली की सीमा पर कई घंटे तक हंगामा चलता रहा। किसान नेता फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, खेतों के लिए पर्याप्त पानी की आपूर्ति और चंडीगढ़ को पंजाब को सौंपने की मांग कर रहे थे। किसान राज्यपाल भवन की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने बॉर्डर पर बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई, जब कुछ युवाओं ने ट्रैक्टरों के साथ बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस और किसानों के बीच झड़प बढ़ गई। बताया जा रहा है कि चंडीगढ़

पुलिस ने करीब 24 किसानों को हिरासत में लिया है, जबकि लाठीचार्ज में कई किसान घायल हुए हैं। घटना के बाद किसान नेताओं में भारी नाराजगी देखने को मिली। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल और जोगिंदर सिंह उगराहां समेत अन्य नेताओं ने पंजाब भर में राज्यपाल और भाजपा के पुतले फूंकने का ऐलान किया है। किसान नेताओं ने 21 मई को सभी किसान यूनियनों की बैठक बुलाकर भाजपा के खिलाफ अगली रणनीति तय करने की घोषणा की है। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक हिरासत में लिए गए किसानों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक वे मौके पर धरना जारी रखेंगे। किसानों के मार्च को देखते हुए पुलिस पहले से अलर्ट पर रही। पुलिस ने वाईपीएस चौक से चंडीगढ़ जाने वाले मुख्य रास्ते को सील कर दिया। इसके अलावा सेक्टर-50 की ओर जाने वाली सड़क पर भी भारी बैरिकेडिंग की गई, क्योंकि यह रास्ता राज्यपाल के आसपास के इलाके की तरफ जाता है। इसके बावजूद किसान सेक्टर-50 वाले मार्ग पर आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारें भी छोड़ीं। इसके बाद किसानों ने एसएसपी कंवरदीप कौर के साथ बैठक की। बाद में पंजाब राज्य भवन से आए एक अधिकारी को किसानों ने मांग पत्र दिया।

राजस्थान हाईकोर्ट : बैंक अधिकारी की रिट याचिका खारिज, सेवा समाप्ति आदेश को जायज और विधि सम्मत

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डॉ. नूपुर भाटी ने बैंक अधिकारी की रिट याचिका खारिज करते हुए परीवीक्षा काल में अनाधिकृत अवकाश पर बिना विभागीय कार्रवाई किए सेवा समाप्ति आदेश को जायज और विधि सम्मत बताया है। याची ऋषि कुमार ने रिट याचिका दायर कर कहा कि उसकी नियुक्ति राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक अब राजस्थान ग्रामीण बैंक में श्रेणी तीन अधिकारी पद पर हुई थी और वर्ष 2023 में नौकरी से त्यागपत्र का आवेदन किया था लेकिन कुछ दिन अवकाश पर होने से बिना विभागीय कार्रवाई किए बैंक अध्यक्ष ने 6 फरवरी 2025 को उसकी सेवा समाप्त कर दी, जो कि गैर कानूनी होने से आदेश रद्द किया जाएं। राजस्थान ग्रामीण बैंक की ओर से अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि बैंक ने सेवा समाप्ति के साथ एक माह का वेतन याची के बैंक खाते में भेजा था, जिसे याची ने स्वैच्छिक रूप से निकाल लिया सो यह अवधारणा ली जानी चाहिए कि उसने अपनी सभी आपत्तियों का त्याग कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस्तीफा सशर्त होने तथा औपचारिकताएं पूर्ण नहीं होने के कारण स्वीकार नहीं किया गया और परीवीक्षा काल में अनाधिकृत रूप से 513 दिन अवकाश पर रहने से सेवा समाप्ति का आदेश दंडात्मक नहीं होकर सरल है। राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश डॉ. नूपुर भाटी ने रिट याचिका खारिज करते हुए कहा कि याची को जयपुर पुलिस ने 25 जुलाई 2022 को डम्मी उम्मीदवार के तौर पर परीक्षा देते हुए गिरफ्तार किया था और दिल्ली पुलिस ने डम्मी उम्मीदवार के रूप में परीक्षा देते हुए 11 अगस्त 2024 को याची को गिरफ्तार किया और सवा दो माह तक जेल में रहा। उन्होंने कहा कि 17 जून 2022 को नौकरी करने से लेकर फरवरी 2025 तक 513 दिन अवकाश पर रहने से नियोक्ता उसके कामकाज के मूल्यांकन करने से वंचित रहें। उन्होंने कहा कि याची बैंक में श्रेणी तीन अधिकारी पद पर नियुक्त हुआ और जहां पर आम जन के रुपए जमा रहते है और यह अपेक्षा रहती है कि अधिकारी अनुशासनात्मक और ईमानदारी से कार्य करें और उनकी जनता के प्रति जवाबदेही भी होती है। उन्होंने कहा कि परीवीक्षा काल में कर्मचारी की कार्यक्षमता, आचरण, कर्तव्य के प्रति उसकी निष्ठा आदि की नियोक्ता द्वारा जांच की जाती है जो कि इस प्रकरण में लंबे अवकाश के कारण संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि मात्र इस्तीफे का आवेदन कर देने से कर्मचारी को यह अधिकार नहीं हो जाता है कि वह अनाधिकृत रूप से अवकाश पर रहें, जबकि उसे इस्तीफा स्वीकार होने तक बैंक में नियमित रूप से सेवा देनी थी। उन्होंने कहा कि बैंक की ओर से ड्यूटी पर आने के लिए याची को कई नोटिस दिए गए।

सर्व समाज ने सांसद रेखा शर्मा के खिलाफ थाने में दी शिकायत

फतेहाबाद (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजनलाल के विरुद्ध की गई कथित अशोभनीय टिप्पणी को लेकर कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। इस मामले को लेकर रतिया के सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को एकजुट होकर बीजेपी की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सिटी थाना में एफआईआर दर्ज करने के लिए लिखित शिकायत सौंपी है। इस अवसर पर सर्वसमाज रतिया से मोहन लाल भाम्भू, रामस्वरूप, विजय कुमार, राधेश्याम, हरि सिंह, मोहित, संदीप कुमार, अर्शदीप, प्रमोद कुमार, प्रेमपाल, सुखविन्द्र सिंह, रमेश, बंसीलाल, सुरेन्द्र कुमार, मलकियत सिंह, नरोतम, सतपाल, हर्ष, रोहताश सहित समाज के दर्जनों लोग उपस्थित रहे और हस्ताक्षरित पत्र सौंपकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। पुलिस को दी शिकायत में सर्व समाज के लोगों ने कहा कि 24 अप्रैल 2026 को पंचकूला में आयोजित नगर निगम की एक चुनावी सभा के दौरान राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल के विरूद्ध बेहद अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, सांसद ने सार्वजनिक मंच से कहा था कि चौधरी भजनलाल और चंद्रमोहन ने *बदमाशी* के दम पर चुनाव जीते हैं। रतिया के सर्व समाज के लोगों का कहना है कि स्व. चौधरी भजनलाल को प्रदेश के लाखों लोग अपना आदर्श मानते हैं। चौधरी भजनलाल का व्यक्तित्व बेहद ऊंचा था। वे जिला परिषद सदस्य से लेकर मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के पदों तक पहुंचे, लेकिन उन्होंने हमेशा 36 बिरादरी को साथ लेकर विकास किया। सांसद द्वारा दिया गया बयान पूरी तरह से निराधार और असत्य है, जिसका उद्देश्य केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करना था।

बिहार में 15 आईएएस अधिकारियों का तबादला, शुभम कुमार बने पटना के उप-विकास आयुक्त

पटना (हिंस)। बिहार सरकार ने शुक्रवार को प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 15 अधिकारियों का तबादला एवं नई पदस्थापना की अधिसूचना जारी की। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार कई महत्वपूर्ण विभागों और प्रमंडलों में नए अधिकारियों की तैनाती की गई है। इस तबादले में सबसे अधिक चर्चा 2021 बैच के आईएएस टॉपर शुभम कुमार की नियुक्ति को लेकर हो रही है। सरकार ने उन्हें पटना जिला परिषद का उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी नियुक्त किया है। प्रशासनिक हलकों में इसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी माना जा रहा है, क्योंकि पटना जिला परिषद राज्य की सबसे अहम प्रशासनिक इकाइयों में से एक है। सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल को शिक्षा विभाग का नया सचिव बनाया है। उन्हें निर्वाचन विभाग के साथ-साथ खेल विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। वहीं डॉ. बी. राजेन्दर को शिक्षा एवं खेल विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। इसी प्रकार पंकज कुमार पाल को पथ निर्माण विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। बिहार में सड़क एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं को देखते हुए यह विभाग काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। माना जा रहा है कि राज्य सरकार सड़क परियोजनाओं में तेजी लाने के उद्देश्य से यह बदलाव कर रही है। अधिसूचना के अनुसार श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर और गुंजन सिंह को संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय बनाया गया है। मुख्यमंत्री सचिवालय में इन अधिकारियों की तैनाती को प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है, क्योंकि यहां से राज्य की प्रमुख नीतियों और योजनाओं की मॉनिटरिंग की जाती है। कोसी प्रमंडल के आयुक्त रहे राजेश कुमार को हटाकर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। बिहार में पेयजल और ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं को लेकर पीएचईडी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में अनुभवी अधिकारी की तैनाती को सरकार की प्राथमिकता माना जा रहा है। आईएएस अधिकारी के. सेंथिल कुमार को गन्ना उद्योग विभाग से हटाकर श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। प्रवासी मजदूरों और रोजगार योजनाओं को लेकर यह विभाग हाल के वर्षों में काफी सक्रिय रहा है। अभय कुमार सिंह को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग से हटाकर सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का सचिव बनाया गया है। साथ ही उन्हें बेलट्रान के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। बिहार में डिजिटल गवर्नेंस और ई-सेवाओं के विस्तार के बीच इस विभाग की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त अवनीश कुमार सिंह को खान एवं भू-तत्व विभाग का सचिव-सह-खान आयुक्त बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें बिहार राज्य खनिज विकास निगम और बिहार राज्य खनन निगम लिमिटेड का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। राज्य सरकार खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और राजस्व वृद्धि पर विशेष ध्यान दे रही है। हिमांशु शर्मा को जीविका मिशन से स्थानांतरित कर विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग का प्रभारी सचिव बनाया गया है। हालांकि वे जीविका और आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त प्रभार में बने रहेंगे। तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह बदलाव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बिहार सरकार ने प्रेम सिंह मीणा को भागलपुर प्रमंडल तथा हिमांशु कुमार राय को कोसी प्रमंडल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। प्रशासनिक कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए यह व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि चार दिन पहले भी बिहार सरकार ने 16 आईपीएस और 12 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया था। राजनीतिक गलियारों में स्वास्थ्य विभाग को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को स्वास्थ्य मंत्री बनाए जाने के बाद विभाग में बड़े प्रशासनिक बदलाव किए गए हैं। सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कुमार रवि को स्वास्थ्य विभाग में सचिव के पद पर तैनात किया है। माना जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं और प्रशासनिक कामकाज को मजबूत करने के लिए अनुभवी अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने पेट्रोल डीजल महंगाई और नीट पेपर लीक पर उठाए गंभीर सवाल

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों, बढ़ती महंगाई और लगातार हो रहे नीट परीक्षा पेपर लीक मामलों पर तीखा प्रहार किया। गहलोत ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को गरीब और मध्यम वर्ग पर सीधा बोझ बताते हुए केंद्र की नीतियों को जनविरोधी करार दिया। पेट्रोल-डीजल कीमतों पर प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि चुनाव समाप्त होते ही ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी, और वही हुआ। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस शासनकाल में कच्चे तेल की कीमतें 115 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंची थीं, तब भी जनता पर इतना भार नहीं डाला गया था। इसके विपरीत, मोदी सरकार को लंबे समय तक सस्ते क्रूड ऑयल का लाभ मिलने के बावजूद जनता को राहत नहीं दी गई। गहलोत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी संरचना में बदलाव कर राज्यों के हिस्से को सीमित किया और अतिरिक्त व विशेष एक्साइज ड्यूटी लगाकर राजस्व का बड़ा हिस्सा अपने पास रखा। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती तो तेल कीमतों में राहत देकर जनता को लाभ पहुंचा सकती थी, लेकिन उसकी सोच गरीब और मध्यम वर्ग विरोधी रही है। नीट परीक्षा में लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों पर गहलोत ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2024, 2025 और अब 2026 तक लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने मांग की कि इन सभी मामलों की व्यापक जांच सीबीआई से कराई जाए और यदि एजेंसी निष्पक्ष परीक्षा आयोजित नहीं कर पा रही है, तो एनटीए को भंग कर परीक्षा संचालन का अधिकार पुन: राज्यों को सौंपा जाना चाहिए। गहलोत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सुशासन की बजाए धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति में अधिक रुचि रखती है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम करने के बजाए सरकार धर्म आधारित राजनीति कर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है।

आचार संहिता के उल्लंघन में कुमार विश्वास सहित कई नेताओं की मुश्किलें बरकरार, पांच जून को होगी सुनवाई

सुलतानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जिला सुल्तानपुर में आम आदमी पार्टी (आआपा) के पूर्व नेता एवं कवि कुमार विश्वास, दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन और विधायक सोमनाथ भारती से जुड़े एक मामले में सुलतानपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई टल गई। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 5 जून की तारीख तय की है। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2014 के दौरान अमेठी थाने में इन नेताओं के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया है। शुरुआत में यह पत्रावली मुसाफिरखाना न्यायालय में लंबित थी। हाल ही में इसे सुलतानपुर स्थित विशेष कोर्ट एमपीएम एलए में स्थानांतरित किया गया है। अधिवक्ता मदन सिंह ने शुक्रवार को बताया कि कोर्ट ने तीनों नेताओं को समन जारी कर तलब किया था। हालांकि, शुक्रवार की सुनवाई के दौरान उनकी ओर से कोई भी अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुआ। कोर्ट को अभी तक यह रिपोर्ट भी नहीं मिली है कि आरोपियों को समन तामील हो चुका है। आज तकनीकी और प्रक्रियात्मक कारणों से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी, जिसके बाद इस मामले में अगली तारीख 5 जून तय की है। उल्लेखनीय है कि साल 2014 के लोकसभा चुनाव में आआपा ने अमेठी संसदीय क्षेत्र से राहुल गांधी के खिलाफ कुमार विश्वास को उम्मीदवार बनाया था। चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और बिना अनुमति के जनसभा व प्रदर्शन करने के आरोप में पुलिस ने कुमार विश्वास, सत्येंद्र जैन और सोमनाथ भारती समेत कई अन्य नेताओं पर मुकदमा दर्ज किया था।

प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर क्लस्टर का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया उद्घाटन

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर क्षेत्र में प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। गत दो वर्षों से अधिक समय में 35 नीतियों को लागू कर राज्य सरकार ने अनुकूल औद्योगिक वातावरण का निर्माण किया है, जो कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान/2047 की ओर महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में सिरमौर बनाने के क्रम में पवन और सौर ऊर्जा सहित अक्षय ऊर्जा की दिशा में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से भिवाड़ी में एल्सीना इलेक्ट्रॉनिक्स कांप्लेक्स, 34 एमएलडी एसटीपी एवं खैरथल-तिजारा जिले के विभिन्न विकास कार्यों सहित अन्य परियोजनाओं के शिलान्यास-लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) द्वारा हरियाणा के रास्ते दिल्ली से जोड़ने की परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। वहीं, यमुना जल समझौते के तीव्र क्रियान्वयन के साथ ही, सरकार अलवर के निकट बांदीकुई में एक बड़े इंडस्ट्रीयल एरिया की स्थापना भी करने जा रही है। उन्होंने भिवाड़ी में सेमीकंडक्टर क्लस्टर का जिक्र करते हुए इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ग्राम और वार्ड के सुनियोजित विकास के लिए विकसित ग्राम-वार्ड अभियान की दूरगामी पहल की है। इसके अंतर्गत राज्य सरकार सांस्कृतिक

विरासत, पर्यावरण और आवश्यकताओं को समाहित करते हुए गांवों के विकास का ब्लू प्रिंट तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण युवाओं की सुविधाओं के दृष्टिगत पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केन्द्र खोलने का अहम निर्णय भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन आकांक्षाओं के अनुरूप राज्य सरकार ने बिजली-पानी की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसी क्रम में, रामजल सेतु लिंक परियोजना, आईजीएनपी एवं गंगनहर का सुदृढ़ीकरण, माही, देवास एवं सोम-कमला-अंबा परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। वहीं, 24 जिलों में किसानों को दिन के समय में बिजली आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 4 लाख भर्तियों को संकल्प को पूरा करने की दिशा में सवा लाख से अधिक युवाओं को नौकरी देने के साथ ही, सवा लाख पदों के लिए भर्ती कैलेंडर जारी किया है। वहीं, 1 लाख 35 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। इस अवसर पर केंद्रीय रेल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर्स एक महत्वपूर्ण इंडस्ट्री है।

वैश्विक आपदा को नए अवसर में बदलेगा भारत : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। मध्य-पूर्व में युद्ध के कारण उपजी वैश्विक चुनौती पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस आपदा को भी एक नए अवसर के रूप में

लेकर हम भारत को और अधिक सशक्त व समृद्ध बनाने की गति को तेज करने के लिए काम करेंगे। पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों पर शेखावत ने कहा कि पैनिक क्रिएट किए बिना, हम सब लोग सामूहिक जिम्मेदारी, सबका प्रयास, सबका साथ और सबका विश्वास, इस संकल्पना के आधार पर इस चुनौती से देश को निकालने के लिए, देश के साथ खड़े हों। इस भाव से प्रधानमंत्री ने जो आह्वान किया, मैं मानता हूं और विश्वास के साथ कहता हूं कि पिछले 100 वर्षों में जब कभी भी संकट का काल आया, कोविड के समय में या उससे पहले, जब कभी भी बाहरी आपदा, किसी अन्य तरह की आपदा, मानव-निर्मित आपदा या कोई प्राकृतिक आपदा भारत में आई है, हम भारत के लोगों ने एक नजीर पेश करते हुए एक होकर उस चुनौती को पराजित करने के लिए काम किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं यह मानता हूं कि यह जो वैश्विक परिस्थिति खड़ी हुई है, इस परिस्थिति को न केवल भारत के हम सब लोग प्रधानमंत्री के नेतृत्व में परास्त करेंगे, अपितु इस आपदा को भी एक नए अवसर के रूप में लेकर हम भारत को और अधिक सशक्त व समृद्ध बनाने की गति को तेज करने के लिए काम करेंगे।

मांडल हाईवे पर मौत का तांडव, चोरी के आरोपी और दो जवानों की मौत

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा जिले के मांडल चौराहे पर शुक्रवार अलसुबह नेशनल हाईवे-48 खून से लाल हो गया, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने जीआरपी जवानों की बाइक को इतनी भीषण टक्कर मारी कि दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ ले जाए जा रहे चोरी के आरोपी ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार, अफरा-तफरी और लंबा जाम लग गया। जानकारी के अनुसार चित्तौड़गढ़ जीआरपी थाने के हेड कांस्टेबल लेखराज बागड़ी (55) निवासी किशनगढ़ और कांस्टेबल रविंद्र कुमार जाट (48) की पोस्टिंग भीलवाड़ा में थी। दोनों पुलिसकर्मी बाइक चोरी के आरोपी छोटू भील (40) को मांडल से भीलवाड़ा लेकर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि विभाग के पास बड़ी गाड़ी उपलब्ध नहीं होने के कारण आरोपी को बाइक पर ही ले जाया जा रहा था। इसी दौरान मांडल चौराहे के

पास पुलिया के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि दोनों जवान सड़क पर दूर जा गिरे और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। आरोपी छोटू भील गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल मांडल उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद नेशनल हाईवे-48 पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलते ही मांडल थाना पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल करवाया। इस दर्दनाक हादसे ने पुलिस महकमे को झकझोर कर रख दिया है। ड्यूटी निभाते हुए दो जवानों की मौत से जीआरपी और पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं हाईवे पर तेज रफ्तार और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

बिहार में लीची स्टिंक बग का प्रकोप चिन्हित, बीएयू सबौर एवं आईसीएआर संस्थानों का वैज्ञानिक निगरानी तेज

भागलपुर (हिंस)। बिहार कृषि विश्वविद्यालय द्वारा लीची की फसल में एक उभरते हुए आक्रामक कीट लीची स्टिंक बग की उपस्थिति दर्ज की गई है, जिसे बिहार सहित प्रमुख लीची उत्पादक क्षेत्रों के लिए गंभीर फाइटोसैनिटरी खतरे के रूप में देखा जा रहा है। यह कीट कोमल शाखाओं, पुष्प गुच्छों एवं विकसित हो रहे फलों से रस चूसकर क्षति पहुंचाता है। इसके निम्फ एवं वयस्क दोनों अवस्थाएं पौधों में कोमल टहनियों के सूखने, पुष्प मंजरियों के झुलसने, समयपूर्व फल गिरने, फलों की सतह पर काले धब्बे बनने तथा उपज एवं गुणवत्ता में भारी कमी का कारण बनते हैं। लीची उत्पादन प्रणाली पर संभावित खतरे को देखते हुए आईसीएआर नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन लीची, बिहार कृषि विश्वविद्यालय और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक बहु-संस्थागत तकनीकी टास्क फोर्स गठित की गई है, जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक सर्विलांस,

जियो-रेफरेंस्ड मॉनिटरिंग तथा समेकित कीट प्रबंधन रणनीतियों का विकास करना है। बीएयू, सबौर से डॉ. तारक नाथ गोस्वामी को इस विशेषज्ञ टास्क फोर्स का सदस्य नामित किया गया है। डॉ. एके सिंह एवं डॉ. किरण कुमारी के मार्गदर्शन में डॉ. गोस्वामी तथा उनके छात्र श्री दीपक कुमार द्वारा भागलपुर जिले के प्रमुख लीची उत्पादक क्षेत्रों, जिनमें बीएयू सबौर परिसर, कहलगांव, पन्तूचक, मामलखा, टिनटंगा, गंगानगर, बुधूचक एवं शांति कॉलोनी शामिल हैं, में व्यापक क्षेत्रीय सर्वेक्षण एवं कीट निगरानी कार्य किया गया सर्वेक्षण के दौरान बीएयू, सबौर स्थित उद्यानिकी उद्यान में लीची स्टिंक बग के कुछ निम्फ पाए गए, जबकि अन्य सभी सर्वेक्षित बागान इस कीट से मुक्त पाए गए। वैज्ञानिकों ने बताया कि वर्तमान में कीट का प्रकोप सीमित एवं स्थानीय स्तर पर है, परंतु इसके संभावित प्रसार को रोकने हेतु सतत निगरानी एवं प्रारंभिक नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है। बीएयू के कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों एवं राज्य उद्यानिकी विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कीट की स्थिति पर लगातार वैज्ञानिक निगरानी रख रहा है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सर्विलांस, त्वरित निदान, कृषक जागरूकता तथा समयबद्ध समेकित कीट प्रबंधन उपाय बिहार की लीची उत्पादन प्रणाली एवं उसकी निर्यात क्षमता की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि बीएयू, सबौर क्षेत्र-विशिष्ट कीट प्रबंधन प्रोटोकॉल एवं वैज्ञानिक परामर्श सेवाओं के माध्यम से लीची उत्पादकों के हितों की रक्षा हेतु पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है।

टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई तेजी के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार मजबूती का रुख बना रहा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 370.26 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 50,063.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.77 प्रतिशत उछल कर 7,501.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 232.88 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,635.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 116.02 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 49,947.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,372.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह से सीएसी इंडेक्स ने 0.92 प्रतिशत की छलांग लगा कर 8,082.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 319.45 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,456.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मामूली तेजी के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। इंडोनेशिया के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,789.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,183.06 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 794.05 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,860 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 238.04 अंक यानी 0.90 प्रतिशत लुढ़क कर 26,151 अंक के स्तर तक आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त कमजोरी दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 275.66 अंक यानी 3.45 प्रतिशत टूट कर 7,705.75 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 252.67 अंक यानी 0.61 प्रतिशत फिसल कर 41,499.08 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

टोयोटा ने रखा हर साल एक लाख गाड़ियां बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारत में टोयोटा मोटर कार्पोरेशन अपनी नई फैक्ट्री स्थापित करने जा रही है। जापानीज कंपनी टोयोटा यह प्लांट महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में लगाया जाएगा। इस प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता एक लाख गाड़ियों की होगी। कंपनी ने उम्मीद जताई है कि इस नए संयंत्र में वर्ष 2029 की पहली छमाही से उत्पादन शुरू हो जाएगा। टोयोटा के अनुसार, इस फैक्ट्री में स्टैम्पिंग, वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली जैसी सभी प्रमुख विनिर्माण कार्य किए जाएंगे। विशेष रूप से, यहां एक नए एसयूवी माडल का निर्माण भी होगा। कंपनी का मानना है कि यह नया प्लांट भारत और आसपास के बाजारों में वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस बीच, टोयोटा भारतीय बाजार में अपनी नई पीढ़ी की फार्च्यूनर और हाइलक्स को उतारने की तैयारी में भी जुटी है। नई फार्च्यूनर में ज्यादा शार्प डिजाइन, नई एलईडी हेडलाइट्स और एक चौड़ी ग्रिल देखने को मिलेगी। इसके इंटीरियर में दो 12.3 इंच की स्क्रीन, कनेक्टेड कार तकनीक, 360 डिग्री कैमरा और एडीएएस फीचर्स जैसे आधुनिक फीचर्स दिए जा सकते हैं। टोयोटा का दृढ़ विश्वास है कि भारत आने वाले वर्षों में उसके लिए एक महत्वपूर्ण मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात केंद्र के रूप में उभरेगा। टोयोटा कंपनी की इस महत्वाकांक्षी परियोजना से लगभग 2800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

रेनो जल्द लांच करेगी नई एसयूवी रेनो ब्रिजर

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रेनो कंपनी अपनी नई काम्पैक्ट एसयूवी रेनो ब्रिजर को लान्च करने की तैयारी में है, जिसे अनौपचारिक रूप से मिनी डस्टर के नाम से भी जाना जा रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह नई एसयूवी अपने सेगमेंट में माइलेज के मामले में एक नया बेंचमार्क स्थापित कर सकती है, क्योंकि इसमें नया 1.2 लीटर हाइब्रिड इंजन दिए जाने की संभावना है, जो 30 किलोमीटर प्रति लीटर से अधिक का प्रभावशाली माइलेज देने में सक्षम होगा। यह अत्याधुनिक 3-सिलेंडर इंजन विशेष रूप से मिलर साइकिल तकनीक पर आधारित होगा, जिसे उसकी बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी और कम उत्सर्जन के लिए जाना जाता है। रेनो ने इस तकनीक का उपयोग पहले अपनी डेसिया डस्टर में सफलतापूर्वक किया है, और अब इसे भारतीय बाजार के लिए अनुकूलित किया जा रहा है। माना जा रहा है कि यही उन्नत तकनीक नई ब्रिजर को उत्कृष्ट माइलेज प्रदान करने में मदद करेगी, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल भी बनेगी। इसके अलावा, रेनो ने संकेत दिया है कि दिवाली 2026 तक रेनो डस्टर हाइब्रिड को भी लान्च किया जा सकता है। इसमें 1.8 लीटर पेट्रोल इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटर्स का संयोजन होगा, जो मिलकर लगभग 160 बीएचपी की शक्तिशाली आउटपुट पैदा करेगा। रेनो भारतीय एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक नई 7-सीटर एसयूवी, रेनो बोरियल, पर भी काम कर रही है। यह एसयूवी भारतीय बाजार में टाटा सफारी और महिंद्रा एसयूवी 7ओ जैसे लोकप्रिय खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर देगी।

नई लग्जरी एसयूवी रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में लैंड रोवर ने अपनी नई लग्जरी एसयूवी रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी लान्च कर दी है।

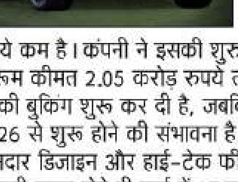

यह माडल रेंज रोवर स्पोर्ट के लिमिटेड एसवी एडिशन टू वेरिएंट से नीचे रखा गया है। इसकी कीमत करीब 30 लाख रुपये कम है। कंपनी ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.05 करोड़ रुपये तय की है। कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है, जबकि डिलीवरी अगस्त 2026 से शुरू होने की संभावना है। दमदार इंजन, शानदार डिजाइन और हाई-टेक फीचर्स के चलते यह एसयूवी लान्च होते ही चर्चा में आ गई है। कंपनी के अनुसार नई रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी खासतौर पर भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसमें भारत के लिए विशेष पेंट आप्शन दिए गए हैं, जिनमें सैटिन ग्रीन, मैट आरेंज, ग्लास ब्लू, मैट वायलेट और ग्लास टील जैसे रंग शामिल हैं। इन कलर्स के साथ ब्लैक रूफ और 22 इंच के फोर्ज्ड अलाय व्हील्स इसे बेहद आकर्षक लुक देते हैं। एसयूवी के बाहरी हिस्से में एसवी बैजिंग, चार एग्जास्ट पाइप, ब्लैक आउट पिलर्स, स्पोर्टी ग्रिल और स्टाइलिश रियर स्पाइलर दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी केवल 3.8 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है।

दुनिया पर मंदी की आंशका : बड़े अर्थशास्त्रियों की बड़ी चेतावनी, अमेरिका में मंदी आना तय

भारत को लेकर अर्थशास्त्रियों की मिलीजुली राय

नई दिल्ली

बीते एक सप्ताह में दुनिया की शीर्ष वित्तीय संस्थाओं और जाने-माने अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक आर्थिक मंदी को लेकर गंभीर चेतावनियां की हैं। अमेरिका की आक्रामक टैरिफ नीतियां, बढ़ता व्यापार युद्ध, कमजोर होता उपभोक्ता खर्च और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में अत्यधिक निवेश से बने संभावित बुलबुले के फटने का डर इसके प्रमुख कारण हैं। इन विशेषज्ञों का मानना है कि जहां अमेरिका में मंदी का जोखिम सबसे अधिक है, वहीं भारत सहित दुनिया के अन्य देश भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। इस संबंध में सबसे बड़ी चेतावनी मेरिल लिंच के प्रसिद्ध फोरकास्टर गैरी शिलिंग की तरफ से आई है। यह वही शख्स हैं, जिन्होंने 1969-70 की आर्थिक मंदी की सटीक भविष्यवाणी की थी। शिलिंग ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा है कि 2026 के अंत तक अमेरिकी मंदी करीब तय है। उनके मुताबिक, तीन बड़े खतरे सामने उभर रहे हैं, जिसमें पहला, एक स्थिर आवास बाजार जहां खरीदार और विक्रेता दोनों सुस्त पड़े हैं, दूसरा, कार्पोरेट पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) में तेज गिरावट, और तीसरा, अमेरिका में कमजोर होता उपभोक्ता वर्ग इसका प्रमुख कारण है। शिलिंग ने कहा, शेयर बाजार बहुत महंगा है और जल्द ही बड़ा करेक्शन आने की पूरी आशंका है। उनके अलावा, अरबपति निवेशक लियोन कूपरमैन ने भी शिलिंग के विचारों से सहमति जताकर कहा कि बाजार बहुत ऊंचे मूल्यांकन पर है और कई समस्याएं एक साथ मुंह बाए खड़ी हैं। वहीं जेपी मार्गन ने पहले वैश्विक मंदी की 60 प्रतिशत संभावना जाहिर की थी, इस अब घटाकर 40 प्रतिशत किया गया है, लेकिन उन्होंने काफी डाउनसाइड रिस्क अभी भी बने रहने की चेतावनी दी है। मैकिंजी के ताजा वैश्विक सर्वे का नतीजा और भी चौंकाने वाला है, जिसमें करीब 70 प्रतिशत बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स ने मंदी के किसी न किसी स्वरूप को सबसे संभावित माना है। इसमें से 61 प्रतिशत ने मांग में कमी से पैदा होने वाली मंदी की आशंका जाहिर की है, जिसका अर्थ है कि बढ़ती अनिश्चितता उपभोक्ताओं का भरोसा तोड़ सकती है। मार्गन स्टेनली के मुख्य वैश्विक अर्थशास्त्री सेथ कारपेंटर ने भी कहा है कि आर्थिक नुकसान शुरू हो चुका है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर टैरिफ अप्रैल के अपने शीर्ष स्तर पर वापस जाते हैं, तब अमेरिका और पूरी दुनिया मंदी में चली जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी वैश्विक विकास दर का अनुमान 2024 के 3.3 प्रतिशत से घटाकर 2026 में 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताकर कहा है कि जोखिम नीचे की तरफ झुके हुए हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर होगा - इसतरह के वैश्विक परिदृश्य में सवाल उठता है कि भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर होगा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मुख्यतः घरेलू मांग पर आधारित होने के कारण वैश्विक मंदी की सीधी चपेट में आने से बचेगी। डेलाइट इंडिया के अनुसार, भारत 2026 में 6.5 से 7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करता रहेगा और वह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री की चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनके मुताबिक, भारत रुपये की तेज अस्थिरता से जरूर प्रभावित होगा। जब अमेरिका और यूरोप जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मंदी आती है, तब निवेशक उभरते बाजारों से पूंजी खींच लेते हैं, जिसके परिणामस्वरूप रुपया कमजोर पड़ता है, शेयर बाजार में उथापटक होती है और आयात होने वाले कच्चे माल, विशेषकर कच्चा तेल, महंगे हो जाते हैं, जो अंततः महंगाई को हवा दे सकते हैं। एक बड़ा सेक्टोरल खतरा भारतीय आईटी उद्योग के सामने है। एक रिपोर्ट बताती है कि भारतीय आईटी सेक्टर मुख्य रूप से अमेरिका और यूरोप जैसे पश्चिमी बाजारों पर निर्भर है। यदि इन देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है और सेवाओं की मांग घटती है, तब इसका सीधा असर भारत पर पड़ेगा। नए प्रोजेक्ट्स मिलने कम हो जाएंगे, कंपनियां अपने बजट में कटौती करेंगी और युवाओं के लिए नौकरियों के अवसर भी सिमट सकते हैं। आईटी के अलावा, कपड़ा, टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग जैसे वे तमाम उद्योग भी दबाव महसूस करेंगे, जो अपना माल विदेशों में बेचते हैं। हालांकि, भारत के पास इस संभावित संकट से निपटने के लिए मजबूत साधन भी मौजूद हैं। मोदी सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) पर किया जा रहा भारी निवेश और भारतीय रिजर्व बैंक की संभाली हुई नीतियां एक सुरक्षा कवच का काम करेंगी। इसके बावजूद, यदि वैश्विक आर्थिक हालात और अधिक बिगड़ते हैं, तब भारत की कुल विकास दर (जीडीपी) में 0.3 से 0.5 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिल सकती है।

अगले कुछ वर्षों में 16 नई एसयूवी लान्च करेगी महिंद्रा

नई दिल्ली

देश के एसयूवी बाजार में महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी मजबूत स्थिति को और सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पर बढ़ रही है। महिंद्रा ने घोषणा की है कि वह अगले कुछ वर्षों में कुल 16 नई एसयूवी लान्च करेगी, जिनमें से पांच माडल अगले साल तक ग्राहकों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इस विस्तार योजना में मौजूदा माडलों के फेसलिफ्ट संस्करणों के साथ-साथ कई नए इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल हैं, जो महिंद्रा की भविष्य की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

आगामी माडलों में, नई महिंद्रा स्कार्पियो-एन में एक अपडेटेड ग्रिल, नई हेडलाइट्स और 18 इंच के अलाय व्हील्स जैसे बाहरी बदलाव देखने को मिलेंगे। इंटीरियर में, 10.25 इंच की बड़ी स्क्रीन और एक डिजिटल क्लस्टर इसे और अधिक प्रीमियम लुक देंगे। इसी तरह, लोकप्रिय आफ-रोडर महिंद्रा थार के नए संस्करण में वेंटिलेटेड सीट्स और वायरलेस चार्जिंग जैसे आधुनिक फीचर्स जोड़े जाएंगे, जो इसे दैनिक उपयोग के लिए और अधिक सुविधाजनक बनाएंगे।

कंपनी एक नई काम्पैक्ट एसयूवी महिंद्रा विजन.एस पर भी काम कर रही है, जो एक्सयूवी 3एक्सओ और थार के बीच की जगह को भरेगी और इसमें पेट्रोल व डीजल दोनों इंजन विकल्प मिलने की संभावना है। इलेक्ट्रिक बाहन सेगमेंट में, महिंद्रा बीई.07 को 650 किलोमीटर तक की प्रभावशाली रेंज के साथ लान्च करने की तैयारी है, जो इलेक्ट्रिक एसयूवी बाजार में एक मजबूत दावेदार बनेगी।

इसके अतिरिक्त, महिंद्रा विजन.टी को थार ई के एक विकसित संस्करण के रूप में पेश किया जाएगा, जिसमें टू-व्हील ड्राइव और आल-व्हील ड्राइव दोनों विकल्प उपलब्ध हो सकते हैं।

आयकर विभाग ने जारी किए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटी फार्म

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-2026 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के एक्सेल यूटिलिटीज फार्म जारी कर दिए हैं। इनकम टैक्स देने वाले करदाता अब अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। टैक्सपेयर्स अब आयकर विभाग की आधिकारिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न डाउनलोड और फाइल कर सकते हैं। विभाग के मुताबिक वेतनभोगी और छोटे व्यवसायी 31 जुलाई तक अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। हालांकि, बजट 2026-27 में हुए नए बदलावों के अनुसार छोटे व्यवसायी और फ्रीलांसर (जिनके खातों का आडिट नहीं होता) अपना आईटीआर 31 अगस्त तक फाइल कर सकते हैं। आयकर के जानकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अमित रंजन ने बताया कि आयकर विभाग ने इन फार्मो में कुछ बदलाव किए हैं। अब उसकी यूटिलिटी को अपलोड कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब ये फार्म लाइव हो गए हैं। अब करदाता अपना आईटीआर फाइल कर सकते हैं। क्या होता है आईटीआर आयकर रिटर्न (आईटीआर) एक फार्म के माध्यम से करदाता अपनी आय, कटौतियों और कर देयता को आयकर विभाग के सामने उजागर करते हैं। इसे प्रत्येक वित्त वर्ष की 31 जुलाई तक दाखिल करना अनिवार्य है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, सर्राफा बाजार में चांदी गिरावट का शिकार हो गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोना के विपरीत चांदी शुरुआती कारोबार के दौरान 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है।

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,614.17 डालर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 87.04 डालर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,62,490 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,62,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एमयूवी सेगमेंट में 15.1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज

नई दिल्ली

अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में मल्टी यूटिलिटी व्हीकल (एमयूवी) सेगमेंट ने सालाना आधार पर 15.1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है। इस दौरान देशभर में कुल 42,542 एमयूवी की बिक्री हुई। इससे पता चलता है कि भारतीय आटो बाजार में मल्टी यूटिलिटी व्हीकल (एमयूवी) सेगमेंट की मांग लगातार बढ़ रही है।

हमेशा की तरह इस बार भी मारुति सुजुकी की अर्टिगा बिक्री के मामले में सबसे आगे रही। पिछले 30 दिनों में अर्टिगा की 19,063 यूनिट बिकीं, जो पिछले साल की तुलना में 20.8 प्रतिशत ज्यादा है। एमयूवी सेगमेंट में अर्टिगा की हिस्सेदारी करीब 44.8 प्रतिशत रही, जो इसकी जबरदस्त लोकप्रियता को दिखाती है। इसकी सफलता के पीछे बेहतर माइलेज, आरामदायक केबिन और किफायती कीमत को मुख्य वजह माना जा रहा है। अर्टिगा में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है, जो मैनुअल और आटोमैटिक दोनों गियरबाक्स विकल्पों के साथ आता है। इसका पेट्रोल वर्जन 20 किलोमीटर प्रति लीटर से ज्यादा माइलेज देता है, जबकि सीएनजी वर्जन करीब 26 किलोमीटर प्रति किलोग्राम तक का औसत निकालता है।

बिक्री सूची में दूसरे नंबर पर टोयोटा की इननोवा रही। कंपनी ने इननोवा हायक्रास और क्रिस्टा की कुल 9,630 यूनिट बेचीं।

पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए संतुलित कदम: खंडेलवाल

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कान्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की दिशा में संतुलित कदम बताया है। यद्यपि इस निर्णय से उपभोक्ताओं पर कुछ अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा, लेकिन इसे मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। खंडेलवाल ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के बाजार में भारी अस्थिरता उत्पन्न हुई है, जिससे इसकी कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी चुनौतियां सामने आई हैं। भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव घरेलू ईंधन व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि एक संतुलित, व्यावहारिक और जिम्मेदार निर्णय प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखना तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। यदि लंबे समय तक ईंधन कीमतों को कृत्रिम रूप से नियंत्रित रखा जाए, तो इससे सरकारी वित्तीय व्यवस्था और तेल विपणन कंपनियों पर अत्यधिक दबाव पड़ सकता है, जिसका व्यापक प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है।

फीफा विश्व कप 2026 : जापान की प्रारंभिक टीम घोषित, मितोमा और मिनामिनो बाहर

टोक्यो

फीफा विश्व कप 2026 के लिए जापान ने अपनी प्रारंभिक 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। हालांकि टीम को बड़ा झटका तब लगा जब स्टार विंगर काओरू मितोमा चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए। इसके अलावा अनुभवी फारवर्ड ताकुमी मिनामिनो को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

जापान के मुख्य कोच हाजिमे मोरियासु ने शुक्रवार को टोक्यो में टीम की घोषणा करते हुए बताया कि मितोमा हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर उबर नहीं पाएंगे। 28 वर्षीय मितोमा को पिछले सप्ताह प्रीमियर लीग में ब्राइटन की वाल्व्स पर 3-0 की जीत के दौरान चोट लगी थी।

कोच मोरियासु ने कहा, मेडिकल टीम का आकलन है कि टूर्नामेंट के दौरान उनके पूरी तरह फिट होने की संभावना नहीं है। वहीं, मोनाको के फारवर्ड ताकुमी मिनामिनो भी टीम से बाहर हैं। दिसंबर में उनके बाएं घुटने के एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) में गंभीर चोट लगी थी। जापान को विश्व कप के ग्रुप एफ में नीदरलैंड्स, स्वीडन और ट्यूनीशिया के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को टेक्सास के अर्लिंगटन में नीदरलैंड्स के खिलाफ करेगी।

मितोमा जापान के सबसे अहम खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने मार्च में वेम्बली स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैत्री मैच में विजयी गोल दागा था। इसके अलावा 2022 विश्व कप में जर्मनी और स्पेन के खिलाफ जापान की ऐतिहासिक जीत में भी उनकी बड़ी भूमिका रही थी।

चोटों से जूझ रहे अजाक्स के डिफेंडर ताकेहिरो टोमियासु को टीम में शामिल किया गया है, जबकि उन्होंने जून 2024 के बाद से जापान के लिए कोई मुकाबला नहीं खेला है।

इसके अलावा क्रिस्टल पैलेस के दाइची कामादा, लिवरपूल के वातारू एंडो और रियल सोसिएदाद के ताकेफुसा कुबो को भी टीम में जगह मिली है।

वाल्फ्सबर्ग के युवा खिलाड़ी केंटो शिओगाई भी पहली बार विश्व कप टीम में शामिल किए गए हैं। उन्होंने मार्च में स्काटलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

जापान की प्रारंभिक टीम

गोलकीपर: जायन सुजुकी, केइसुके ओसाको, टोमोकी हायाकावा

डिफेंडर: यूटो नागातोमो, शोगो तानिगुची, को इताकुरा, त्सुयोशी वतानबे, ताकेहिरो टोमियासु, हिरोकी इतो, आयुमु सेको, युकिनारी सुगावारा, जुन्नोसुके सुजुकी

मिडफील्डर/फारवर्ड: वातारू एंडो, जुन्या इतो, दाइची कामादा, कोकी ओगावा, दाइजेन माएदा, रित्सु दोआन, आयासे उएदा, आओ तानाका, केइतो नाकामुरा, काइशु सानो, ताकेफुसा कुबो, युइतो सुजुकी, केंटो शिओगाई, केइसुके गोटो।

न्यूज ब्रीफ

लगातार पांचवीं हार के बावजूद प्लेआफ की उम्मीद बरकरार, बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे: ब्रैड हैडिन

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ हाई-स्कोरिंग मुकाबले में करीबी हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम के सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने प्लेआफ की उम्मीदों को लेकर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 200/8 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। शुरुआती झटकों के बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि, मुंबई इंडियंस ने आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। यह पंजाब की लगातार पांचवीं हार रही, लेकिन टीम अब भी 13 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। मैच के बाद सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अच्छा संघर्ष दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि जिस तरह हम उस स्कोर तक पहुंचे, वह शानदार था। मुंबई ने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन आखिर के ओवरों में हमारे बल्लेबाजों ने बेहतरीन हिटिंग की। हमें लगा था कि यह जीत दिलाने वाला स्कोर है। लंबे समय तक मैच हमारे नियंत्रण में था, लेकिन तिलक वर्मा ने बेहद खास पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी शानदार थी और उसका श्रेय उन्हें देना होगा। हैडिन ने कहा कि टूर्नामेंट के इस चरण में दबाव स्वाभाविक है और टीम को बड़े मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करना सीखना होगा। उन्होंने कहा, पूरा टूर्नामेंट दबाव से भरा होता है और इस समय यही आईपीएल क्रिकेट की असली चुनौती है। आपको बड़े मौकों और दबाव को संभालना आना चाहिए। हार से ड्रेसिंग रूम निराश है, लेकिन इस मुकाबले से कई सकारात्मक बातें भी सामने आई हैं। अब जरूरी है कि हम मजबूत वापसी करें। उन्होंने मौजूदा सीजन में बल्लेबाजी के बदलते मानकों का भी जिक्र किया।

निकहत जरीन राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए हुए ट्रायल्स में हारी

पटियाला। महिला मुक्केबाज निकहत जरीन राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए हुए ट्रायल्स में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। साल 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन रही निकहत 51 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में साक्षी चौधरी के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारीं। इस उलटफेर से वह दोनो ही बड़े टूर्नामेंटों से बाहर हो गयीं। निकहत की हार के अलावा, ट्रायल्स में कुछ और बड़े उलटफेर भी हुए। तीन बार के विश्व कप पदक विजेता हितेश गुलिया 70 किग्रा सेमीफाइनल में सुमित से हार गए, जबकि पूजा रानी 80 किग्रा में नैना से हारीं। वहीं महिलाओं के 65 किग्रा सेमीफाइनल में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा ने अंकुशिता बोरो को हराया। ट्रायल में विजेता मुक्केबाज राष्ट्रमंडल खेलों से पहले शिविर के लिए चेकिया जाएंगे, जबकि दूसरे रैंक के मुक्केबाज 15 से 20 जून तक चीन के गुइयांग शहर में होने वाले विश्व मुक्केबाजी कप में हिस्सा लेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण साई ने हाल ही में भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की पिछली मूल्यांकन आधारित प्रणाली को अपारदर्शी बताते हुए निलंबित कर दिया था। इस कदम ने महासंघ को ट्रायल-आधारित चयन प्रक्रिया पर लौटने के लिए मजबूर किया, एक ऐसा बदलाव जिसकी कई मुक्केबाजों ने सराहना की है।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल। ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेआफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया। अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं।

फीफा विश्व कप 2030 तक ब्राज़ील टीम के कोच बने रहेंगे कार्लो एंसेलोटी

नई दिल्ली

ब्राज़ील फुटबाल महासंघ (सीबीएफ) ने गुरुवार को पुष्टि की है कि मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने ब्राज़ील राष्ट्रीय टीम के साथ अपना अनुबंध 2030 फीफा विश्व कप तक बढ़ा लिया है। नया अनुबंध अगले चार वर्षों तक प्रभावी रहेगा।

एंसेलोटी को पिछले वर्ष मई में ब्राज़ील का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनके मार्गदर्शन में ब्राज़ील ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया, जिसका आयोजन 11 जून से अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होगा।

अब तक एंसेलोटी के कार्यकाल में ब्राज़ील ने 10 मैच खेले हैं, जिनमें टीम को पांच जीत, दो ड्रा और तीन हार मिली हैं। उनका लक्ष्य ब्राज़ील को रिकार्ड छठी बार विश्व कप चैंपियन बनाना है।

कार्लो एंसेलोटी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं एक साल पहले ब्राज़ील आया था। पहले ही मिनट से मुझे समझ आ गया था कि इस देश के लिए फुटबाल क्या मायने रखता है। पिछले एक साल से हम ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम को फिर से विश्व फुटबाल के शिखर पर पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन सीबीएफ और मैं इससे भी अधिक चाहते हैं — अधिक जीत, अधिक समय और अधिक मेहनत।

उन्होंने आगे कहा, हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हम अगले चार वर्षों तक साथ बने रहेंगे। हम 2030 विश्व कप तक साथ काम करेंगे। मैं सीबीएफ का उनके भरोसे के लिए धन्यवाद करना चाहता हूं। ब्राज़ील, आपका गर्मजोशी से स्वागत करने और इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। ब्राज़ील फुटबाल महासंघ (सीबीएफ) के अध्यक्ष समीर शाउद ने कहा, कार्लो एंसेलोटी के अनुबंध का नवीनीकरण हमारे उस संकल्प की दिशा में एक और मजबूत कदम है, जिसके तहत हम पांच बार की विश्व चैंपियन राष्ट्रीय टीम को और अधिक मजबूत, आधुनिक और प्रतिस्पर्धी बनाना चाहते हैं। हम हर दिन इस दिशा में काम कर रहे हैं कि ब्राज़ील विश्व फुटबाल के सर्वोच्च स्तर पर बना रहे। साथ ही हम अन्य राष्ट्रीय टीमों के विकास, सीबीएफ द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं और देशभर के क्लबों व संघों को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए फ्रांस टीम घोषित, किलियन एम्बाप्पे शामिल; एंटोनी ग्रीजमैन बाहर

नई दिल्ली। दो बार के विश्व चैंपियन फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए गुरुवार को अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 11 जून से अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशाम्प्स, जो इस विश्व कप के बाद अपने पद से हट जाएंगे, ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलन वाली टीम चुनी है। रियल मैड्रिड के स्टार फारवर्ड किलियन एम्बाप्पे टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं। टीम मे मौजूदा बैलन डीआर विजेता उस्मान डेम्बेले भी शामिल हैं। फ्रांस की टीम में एम्बाप्पे, डेम्बेले, एनगोलो कांते और लुकास हर्नांडेज जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, जो पहले विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं। हालांकि, यूरो 2024 के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लेने वाले एंटोनी ग्रीजमैन ने वापसी नहीं की है। वहीं रियल मैड्रिड के मिडफील्डर एडुआर्डो कामाविंगा को टीम में जगह नहीं मिली। फ्रांस को ग्रुप-। में सेनेगल, इराक और नार्वे के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को सेनेगल के खिलाफ करेगी।

फ्रांस की 26 सदस्यीय टीम

गोलकीपर: माइक मेन्यान, राबिन रिसर, ब्राइस सांबा

डिफेंडर: लुकास डिग्ने, मालो गुस्तो, लुकास हर्नांडिज, इब्राहिमा कोनाते, जूल्स कुंडे, विलियम सालिबा, डायोट उपामेकानो, मैक्सेंस लाक्रुआ, थियो हर्नांडिज

मिडफील्डर: एनगोलो कांते, मानु कोने, एड्रियन राबियो, आरेलियन चुआमेनी, वारेन जाइरे-एमरी

फारवर्ड: ब्रैडली बारकोला, रायन शेरकी, उस्मान डेम्बेले, देजिरे डुए, किलियन एम्बाप्पे, माइकल ओलीसे, जीन-फिलिप माटेटा, मार्कस थुराम, मैग्नेस अक्लियूश।

पीजीए चैंपियनशिप 2026 : स्काटी शेफलर समेत सात खिलाड़ी पहले दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर

न्यूटाउन स्क्वेयर (पेनसिल्वेनिया)

पीजीए चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में दुनिया के नंबर-1 गोल्फर स्काटी शेफलर समेत सात खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर रहे। एरोनिमिंक गोल्फ क्लब में खेले जा रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शुक्रवार को सभी खिलाड़ियों ने 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया।

शेफलर के साथ मार्टिन कायमर, एल्ड्रिच पोटगिटर, स्टीफन जैगर, मिन वू ली, रियो हिसात्सुने और एलेक्स स्माली भी संयुक्त बढ़त पर हैं। किसी मेजर चैंपियनशिप में पहले दौर के बाद इतनी बड़ी संयुक्त बढ़त 1969 के बाद पहली बार देखने को मिली है।

कठिन मौसम, तेज हवाओं और ढलानदार ग्रीन्स के कारण खिलाड़ियों को काफी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहले दौर में 48 खिलाड़ी लीड से केवल तीन शाट पीछे रहे, जिससे प्रतियोगिता बेहद खुली नजर आ रही है।

स्काटी शेफलर ने अपने प्रदर्शन के दौरान दो लंबे बर्डी पुट लगाए और 17वें होल पर राहत मिलने का फायदा उठाकर पार बचाया। हालांकि उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा,

जब छह और खिलाड़ी आपके साथ बराबरी पर हों, तो क्या इसे सच में बढ़त कहा जा सकता है

फ्रांस के पूर्व पीजीए चैंपियन मार्टिन कायमर का प्रदर्शन सबसे बड़ा सरप्राइज रहा। लिव गोल्फ से जुड़े कायमर लंबे समय बाद किसी मेजर में शीर्ष खिलाड़ियों के बीच नजर आए। पैट्रिक रीड पहले दौर में बिना कोई बोगी लगाए 68 के स्कोर पर रहे। उनके साथ ज़ेंडर शाफ्ले और शेन लारी भी एक शाट पीछे हैं।

करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने की कोशिश में लगे जार्डन स्पीथ ने अंतिम तीन होल में दो बोगी कर 69 का स्कोर बनाया। वहीं जान रहम ने शानदार ईगल और बर्डी की मदद से वापसी करते हुए 69 का कार्ड खेला।

मास्टर्स चैंपियन रोरी मैक्लराय का दिन बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने अंतिम चार होल में लगातार चार बोगी कीं और 74 के स्कोर के साथ पहले दौर का अंत किया।

वहीं ब्रायसन डेशांबो को भी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने 76 का स्कोर बनाया और अब कट में जगह बनाने के लिए अगले दौर में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मुकाबला और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

थाईलैंड ओपन : सिंधु और लक्ष्य जीते, श्रीकांत व देविका बाहर हुए

बैंकाक। भारत की पी वी सिंधु और लक्ष्य सेन यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। वहीं किदांबी श्रीकांत और देविका सिहाग हार के साथ ही बाहर हो गये। छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने महिला एकल के दूसरे दौर में डेनमार्क की अमेली शूल्ज को केवल 28 मिनट में ही 21-13, 21-15 के सीधे गेम में हरा दिया। अब सिंधु का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा। वहीं पुरुष एकल में, सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने चीनी खिलाड़ी झू शुआन चेन को सीधे गेम में 21-12, 21-13 से हरा दिया। अब क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इसके अलाव पुरुष युगल में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस जोड़ी ने मलेशिया के ब्रायन जेरेमी और मुहम्मद हाइकल को 21-12, 21-19 से हराया।

सुपर शतरंज क्लासिक रोमानिया : प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फिरोजा के खिलाफ ड्रा खेला

रोमानिया

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सुपर शतरंज क्लासिक रोमानिया के पहले दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में ड्रा खेला। ग्रैंड चेस टूर के पहले क्लासिकल टूर्नामेंट में खेला गया यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा।

काले मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने शुरुआती चरण में क्वीन गैंबिट डिक्लाइंड ओपनिंग अपनाई। शुरुआती दौर में कई छोटे मोहरों की अदला-बदली के बाद मुकाबला ड्रा की ओर बढ़ता नजर आ रहा था, लेकिन प्रज्ञानानंद ने जटिल स्थिति बनाने का फैसला किया। उन्होंने मजबूत सेंटर के बदले फिरोजा को क्वीन साइड पर जुड़े हुए पास्ड प्यादे लेने दिए।

मध्य खेल में फिरोजा ने शानदार चालें चलीं और भारतीय खिलाड़ी के किंग साइड पर दबाव बना दिया। हालांकि स्थिति इतनी जटिल थी कि दोनों खिलाड़ियों के लिए सर्वश्रेष्ठ चालें ढूंढना आसान नहीं था।

35वीं चाल में हुई एक गलती के बाद मुकाबला रूक और प्यादों के एंडगेम में पहुंच गया, जहां प्रज्ञानानंद एक प्यादा पीछे होने के बावजूद ड्रा बचाने में सफल रहे। अंतत: 60 चालों तक चले मुकाबले का परिणाम ड्रा रहा।

अन्य मुकाबलों में फ्रांस के मैक्सिम वाशियेर-लग्राव और नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के बीच भी मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ। गिरी को कुछ मौकों पर बढ़त मिलती दिखी, लेकिन उन्होंने सुरक्षित खेलते हुए 32 चालों में ड्रा स्वीकार कर लिया।

रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल ने विश्व चैम्पियनशिप चुनौतीकर्ता जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ आसान ड्रा हासिल किया। वहीं अमेरिका के फैबियानो करूआना और नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फारेस्ट के बीच मुकाबला भी बराबरी पर छूटा।

दिन का पांचवां मुकाबला अमेरिका के वेस्ली सो और जर्मनी के विंसेंट कीमर के बीच खेला गया, जो 56 चालों के बाद ड्रा पर समाप्त हुआ। इस तरह पहले दौर के सभी मुकाबले ड्रा रहे।

10 खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस नौ दौर के टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 3.5 लाख अमेरिकी डालर है, जिसमें विजेता को 1 लाख अमेरिकी डालर दिए जाएंगे।

हीरो हाकी इंडिया लीग 2027 के लिए खिलाड़ी पंजीकरण शुरू, भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को मिलेगा मौका

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने हीरो हाकी इंडिया लीग 2027 के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण प्रक्रिया की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। खिलाड़ी नीलामी सितंबर 2026 में आयोजित की जाएगी, जबकि पंजीकरण 15 मई 2026 को सुबह 11 बजे से शुरू हो चुका है। 2024-25 सीजन में लीग की सफल वापसी और 2025-26 संस्करण की लोकप्रियता के बाद आगामी सीजन को और अधिक भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली हीरो हाकी इंडिया लीग में भारत समेत दुनिया के कई प्रमुख हाकी देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

हाकी इंडिया के अनुसार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण खुले हैं। यह लीग विश्व हाकी में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का बड़ा मंच प्रदान करती है।

पुरुष वर्ग के पात्र देश – भारत, नीदरलैंड, बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, अर्जेंटीना, जर्मनी, स्पेन, आयरलैंड, फ्रांस, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया और जापान।

महिला वर्ग के पात्र देश – भारत, नीदरलैंड, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चीन, स्पेन, इंग्लैंड, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चिली, अमेरिका, आयरलैंड, स्काटलैंड और जापान।

पंजीकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी

- पंजीकरण प्रारंभ: 15 मई 2026, सुबह 11:00 बजे
- पंजीकरण की अंतिम तिथि: 24 जुलाई 2026, मध्यरात्रि

पिछले सीजन में हीरो हाकी इंडिया लीग में 1000 से अधिक खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया था। इनमें 500 से ज्यादा भारतीय पुरुष खिलाड़ी, 350 भारतीय महिला खिलाड़ी और 240 से अधिक विदेशी खिलाड़ी शामिल थे। इससे लीग की बढ़ती लोकप्रियता और वैश्विक आकर्षण का अंदाजा लगाया जा सकता है। पिछले संस्करण में महिला वर्ग का खिताब एसजी पाइपर्स ने जीता था, जबकि पुरुष वर्ग में वेदांता कलिंगा लांसर्स चैंपियन बना था।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप तिर्की ने कहा, हीरो हाकी इंडिया लीग ने खुद को विश्व हाकी के सबसे रोमांचक मंचों में फिर से स्थापित किया है। पिछले सीजनों में खिलाड़ियों और दर्शकों का शानदार उत्साह देखने को मिला। हमें उम्मीद है कि 2027 संस्करण और भी बड़ा और प्रतिस्पर्धी होगा।

वहीं, हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, पिछले संस्करणों की सफलता ने लीग को नई पहचान दी है। खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि उन्हें इस मंच पर भरोसा है। यह लीग न केवल विश्वस्तरीय हाकी को बढ़ावा देती है, बल्कि भारतीय हाकी के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हीरो हाकी इंडिया लीग 2027 में एक बार फिर दुनिया भर के उभरते और स्थापित खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आएंगे, जिससे भारतीय हाकी को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इस बारिश सेहत का कुछ ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम के तुरंत बाद बारिश का मौसम आना जैसे बंजर जमीं पर पानी की बूंद गिरने जैसा होता है। गर्मी के बाद बारिश सबको अजीब सा सुकून देता है। बारिश में लोग भीगना पसंद है। मगर ज्यादा तर बीमारियां बारिश के आने के बाद आती हैं। तो किस तरह से इस बारिश के मौसम में रखें अपने सेहत का ख्याल आपको बतातें हैं। देश में जहां कई जगहों पर बारिश शुरू हो चुकी है वहीं कई कोनो में लोग अभी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। तो इस तरह से सभी को मानसून एन्जॉय करने के साथ इसके साथ आने वाली बीमारियों का भी ख्याल रखना चाहिए। क्यों की मानसून जरूर ठंडक लाता है मगर साथ में वह अपने बहुत सारी बीमारियां भी लाता है।

खानपान का रखें ध्यान: बारिश के दिनों में बाहर का खाना सबको बहुत अच्छा लगता है मगर वहीं खाना पेट की बिमारियों को जन्म देता है। बारिश में गलत खाना खाने से पीलिया, मलेरिया, टायफाइड, पेट व आंतों संबंधी बीमारियां, खांसी, जुकाम, जोड़ों में दर्द, त्वचा में इंफेव?शन, बुखार और फ्लू जैसी सकती है। इस तरह से इस बारिश जो भी आप खाते है उसे अपनी सेहत के अनुसार खाएं।

तुलसी और कड़ी पत्ते का प्राकृतिक क्लींजर

कड़ी पत्ते और तुलसी दोनों में एंटी-आक्सीडेंट होते हैं। जो आपकी त्वचा को इंफेक्शन और मुंहासों से बचाते हैं। साथ ही यह आपकी त्वचा को कोमल व नर्म बनाने के साथ पिग्मेंटशन (झांइयों) और झुरियों को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-इंफलेमेटरी और मॉश्चराइजिंग गुण भी होते हैं जिसे त्वचा पर लगाने से त्वचा में निखार आने लगता है।

रेड बर्थमार्क के कारण, निदान और इलाज

बर्थमार्क्स यानी जन्मजात निशान त्वचा पर मौजूद बदरंग निशान होते हैं। कई नवजात शिशुओं में लाल अथवा कुछ अन्य प्रकार के निशान होते हैं। आमतौर पर ये निशान जन्म के कुछ सप्ताहों के भीतर ही नजर आ जाते हैं। ये निशान त्वचा के करीब मौजूद रक्त वाहिनियों द्वारा बनते हैं। इन निशानों के बनने की बड़ी वजह त्वचा में पिग्मेंटशन के कारण रक्तवाहिनियों का अधिक निर्माण होता है।

कारण

आमतौर पर इन निशानों का मुख्य कारण किसी को नहीं पता। और साथ ही इन निशानों को होने से रोकने के लिए ही कुछ किया जा सकता है। बर्थमार्क्स के कारकों के बारे में भले ही अधिक जानकारी न हो, लेकिन इतना तो साफ है कि वाहिकीय समस्याओं से होने वाले बर्थमार्क्स अनुवांशिक नहीं होते। जानकार मानते हैं कि इसके पीछे त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारण अधिक उत्तरदायी होते हैं।

पोर्ट वाइन स्टेन

इन निशानों की मुख्य वजह रक्तवाहिनियों की चौड़ाई निर्धारित करने वाली प्रक्रिया में असंतुलन का होना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में निरंतर प्रवाहित होने वाला रक्त लाल अथवा बैंगनी हो जाता है। पोर्ट वाइन स्टेन इसके अलावा स्ट्रग-वेबर-सिंड्रोम और क्लिपल ट्रेनायूने सिंड्रोम के कारण भी हो सकता है।

निदान

रेड बर्थमार्क्स के निदान की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आखिर ये निशान नजर कैसे आते हैं। डॉक्टर इनका इलाज करने से पहले इनकी अच्छी तरह जांच करते हैं। बर्थमार्क्स की गहरी जांच करने के लिए डॉक्टर बॉयोप्सी, सीटी स्कैन और एमआरआई भी करने की सलाह दे सकता है।

इलाज

अधिकतर बर्थमार्क्स किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करते और उन्हें किसी इलाज की जरूरत नही होती। हालांकि, कुछ रेड बर्थमार्क्स से परेशानी हो सकती है। कुछ निशान तो कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। रेड बर्थमार्क्स बच्चे के थोड़ा बड़े होने के साथ ही गायब भी हो जाते हैं। बहुत कम निशान ही रक्तवाहिनियों के ट्यूमर में परिवर्तित हो सकते हैं। इन्हें हेमेन्गिओमस कहा जाता है। कुछ निशान ऐसे भी होते हैं, जो ठीक नहीं होते और स्थाई रूप से साथ रहते हैं।

हेमेन्गिओमस को इलाज करवाने की जरूरत तब पड़ती है, जब इनका असर आपके लुक पर पड़ता हो। इसके साथ ही अगर इससे आपको भावनात्मक तनाव अथवा दर्द होता हो, तो भी आपको इसका इलाज करवाना चाहिए। इतना ही नहीं अगर हेमेन्गिओमस के आकार, स्वरूप अथवा रंग में किसी प्रकार के बदलाव का आभास होने पर भी इलाज करवाया जाना चाहिए। हेमेन्गिओमस यदि बच्चे की आंख के करीब हो, तो उसका इलाज जरूर करवाना चाहिए, क्योंकि इसका असर उसके देखने की क्षमता पर पड़ सकता है।

बर्थमाक्स के आकार पर निर्भर करता है कि इसके इलाज में किस प्रकार की इलाज पद्धति को अपनाया जाए। इसके लिए लेजर ट्रीटमेंट से लेकर कॉस्मेटिक के अन्य तरीके भी आजमाए जा सकते हैं। इसके अलावा बर्थमार्क्स के निशान को छोटा करने क लिए दवाओं अथवा इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बहुत ही दुर्लभ मामलों में बर्थमार्क्स का संबंध किसी अन्य बीमारी से होता है। लेकिन, कुछ मामलों में देखा गया है कि लिवर, फेफडे, पेट अथवा अंत्राशय की बीमारियों के फलस्वरूप भी बर्थमार्क्स हो सकते हैं। यदि ऐसी कोई समस्या नजर आए, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

क्या 30 साल के बाद भी बढ़ सकती है लंबाई?

एक बार हड्डियों के बढ़ना रूकने के बाद, लंबाई को बढ़ने की सीमा तय हो जाती है। फिर लंबाई को बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्ट्रेचिंग की मदद से अपने पॉश्चर में सुधार कर अपनी लंबाई बढ़ा सकते हैं।

लड़कियों की लंबाई 11.5 वर्ष और लड़कों की लंबाई 13.5 वर्ष तक ही बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार, लड़कों को लड़कियों की तुलना में हड्डियों की ग्रोथ बंद होने से पहले लंबाई बढ़ाने को दो साल का लंबा समय मिलता है। लेकिन वयस्कों में लंबाई बढ़ने के लिए स्ट्रेच एक अच्छा आइडिया है, क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी में संकोचन को कम करता है। स्ट्रेचिंग से आपको पॉश्चर में सुधार करने और लंबाई की सीमा बढ़ाने में मदद मिलती है।

टिप्स

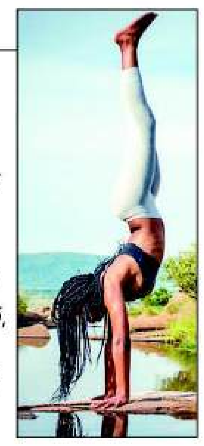

- योग के सही मुद्रा एक योग्य योग प्रशिक्षक की मदद से सीखें।
- कई स्वास्थ्य केन्द्र, योग केंद्र और सामुदायिक कॉलेज योग शिक्षा प्रदान करते हैं।
- लंबाई बढ़ाने का दावा करने वाले प्रोडक्ट के बारे में पूरी जानकारी लें।
- ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि, सप्लीमेंट की मदद से किसी भी वयस्क की लंबाई को स्थायी रूप से बढ़ाया जा सकता है।

स्टेप 1

ताड़ासन को पर्वत योग मुद्रा भी कहते हैं। इस स्ट्रेच योग को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों पैर को आपस में मिलाकर और दोनों हथेलियों को अपने बगल में रखें फिर पूरे शरीर को स्थिर रखें और दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। उसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियों सीधी रखें और सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए, जिससे आपके कंधों और चेस्ट में भी स्ट्रेच आएगा। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाए और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें। इस योगाभ्यास करते समय में पूरे शरीर में उपयुक्त रूप से स्ट्रेच महसूस होता है। योग जर्नल वेबसाइट के अनुसार यह मुद्रा आपको रीढ़ की हड्डी को सीधा करने में मदद करती है। सीधा खड़ा होना, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव का विरोध कर आपकी लंबाई को 30 की उम्र के बाद भी बढ़ता है।

स्टेप 4

क्लॉस या होम एक्सरसाइज वीडियो के माध्यम से योग या पिलेट्स करें, जिससे आपके पूरे शरीर का स्ट्रेच हो सके। योग या पिलेट्स को नियमित करने अच्छी मुद्रा को एक आदत बनाने में मदद मिलती है और मसल्स को मजबूती मिलती है जिससे आपकी रीढ़ और अंगों को उचित एलाइनमेंट मिलती है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग रीढ़ की हड्डी पर संकोचन को कम करने में मदद करता है जिससे आप 30 साल की उम्र के बाद भी लंबाई बढ़ा सकते है। हालांकि इस बात के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

स्टेप 2

भुजंगासान को कोबारा पोज भी कहते हैं। इस आसान में चेहरे पर स्ट्रेच महसूस करते हुए अपनी उंगालियों को कंधों की तरफ और कोहनी को अपनी साइट में रखते हैं। साथ ही अपने शरीर के निचले हिस्से पर दबाव बनाए रखते हैं। अपनी बाहों को सीधा रखते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की तरफ और निचले हिस्से को जमीन पर रखते हैं। ऊपरी हिस्से को तब तक ही उठाते हैं, जितना की आप आराम से उठा सकें। अपनी रीढ़ में स्ट्रेच महसूस करें। सांस छोड़ते और 15 की गिनती करते हुए धीरे-धीरे अपने ऊपरी हिस्से को नीचे लाएं। इससे आपके चेस्ट और पेट की मसल्स में स्ट्रेच होगा। इसको नियमित करने से लंबाई बढाई जा सकती है। इस मुद्रा को नियमित रूप से करने लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है क्योंकि इससे आप बैठते, उठते और खड़े होते समय रीढ़ की हड्डी लंबा बनाये रखने में मदद मिलती है।

स्टेप 3

शॉवर लेने के बाद भी नियमित रूप से स्ट्रेच करें क्योंकि इस समय आपकी मसल्स गर्म होती है। पांच मिनट एक ही जगह चलने के बाद धीरे-धीरे अपने दोनों हाथों को हिलाएं और पैरों को ढीला छोड़कर तनाव को रिलीज करें। फिर एक समय में एक हाथ को ऊपर की तरफ स्ट्रेच करें। अब अपने पैर की उंगलियों से लेकर हिप्स और कंधे तक बॉडी की एक साइड को स्ट्रेच करें। फिर दूसरी तरफ से ऐसा ही करें और तीन से पांच बार दोहराएं।

स्किन के लिए वरदान है एक कप चाय

ज्यादातर हम सभी के दिन की शुरूआत एक कप चाय से होती है। चाय से थकान दूर होती है और ताजगी आ जाती है। दिन भर की थकान को दूर करने के लिए भी एक कप चाय मिल जाए तो क्या ही बात। लेकिन अक्सर चाय और कॉफी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। कहा जाता है ज्यादा चाय पीने से काले हो जाते हैं, लेकिन ये सही नहीं है। चाय स्वास्थ्यवर्धक भी होती है। ये आपको ताजगी देने के साथ-साथ खूबसूरती बढ़ाने में भी मदद करती है, क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

स्किन बनाए हेल्दी

हेल्दी स्किन यानी नम त्वचा। शरीर में नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त लिक्विड लेना जरूरी है। इसमें सभी तरह की चाय शामिल हो सकती है, क्योंकि गर्मी के दिनों में शरीर को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। लिक्विड लेने से स्किन फ्रेश रहती है और पानी की कमी नहीं होती है।

ग्रीन टी

अगर आपकी स्किन रूखी और बेजान हो गई है तो ठंडी ग्रीन टी अपने चेहरे पर छिड़कें। ये एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर का काम करती है। इससे आपकी स्किन तरोताजा हो जाएगी और चेहरा साफ व ग्लोइंग लगेगा।

डार्क सर्कल

दरअसल चाय में कैफीन होता है, जो आपके ब्लड वेसल को सिकुड़ने में मदद करता है। नींद पूरी न होने या अन्य कारणों से अगर आप की आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स पड़ गए हैं या सूजन आ गई है तो टी बैग इसे सही करने में आपकी मदद करेगा। उसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडा होने पर उसे आंखों के नीचे रखें। इससे आंखों की थकान दूर होती है।

पैरों की बदबू से छुटकारा

पैरों में बदबू आने पर अगर आप डीओ का इस्तेमाल करती है तो ऐसा न करें। इसके लिए आप उबली हुई ब्लैक टी के मिश्रण में अपने पैर डुबाएं। ये एंटी बैक्टीरियल होती है, जो आपके पैरों में आ रहे पसीने को रोकती है। इससे पैरों में बदबू नहीं आती है।

बाल बनाए घने

ब्लैक टी बाल गिरने की समस्या से निजात दिलाती है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहती हैं तो उन्हें ब्लैक टी और ग्रीन टी से धोएं। वहीं ग्रीन टी बालों को बढ़ने में मदद करती है। ठंडी की हुई चाय को बालों पर डालें और उसे 10 मिनट तक रखें। इसके बाद अपने बालों को शैंपू और कंडीशनर से धो लें।

तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं बल्कि एक जरूरत

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडेंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

रेसिपी

मैंगो केक

आइए बनाएं कुकर में मैंगो केक

अब आम का सीजन है तो मैंगो केक खाने का मन तो करेगा ही। पर लाइट नहीं आ रही ओवन कैसे चलेगा। ओफ्हो परेशानी क्या है हम बताते हैं कैसे बनाएं प्रेशर कुकर में मैंगो केक।

सामग्री

एक बड़ा प्रेशर कूकर जिसमें बेकिंग पैन समा जाए, एक बेकिंग पैन, 1 बटर पेपर, मैदा 1 कप, आम की प्यूरी आधा कप सा फिर एक टेबल स्पून मैंगो सीरप, कन्डेन्स्ड मिल्क 1/2 कप, पाउडर चीनी आधा कप, दूध आधा कप, मक्खन 1/3 कप, काजू कटे हुए 2 टेबल स्पून, किशमिश 2 टेबल स्पून, बेकिंग पाउडर1छोटी चम्मच, बेकिंग सोडा 1/4 छोटी चम्मच, आप आम को काट कर उसका पल्प निकाल कर और उसे फैंट कर भी प्यूरी बना सकते हैं।

विधि

मैदा में बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा डालकर मिक्स कर लीजिए और 2 बार अच्छी तरह छान लीजिए। दूसरे बड़े प्याले में मक्खन, आम का पल्प/प्यूरी और कन्डेन्स्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह फैंट कर मिक्स कर दीजिए, पाउडर चीनी मिलाकर और अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए। काजू और किशमिश के डंठल हटाकर कपड़े से पोंछ लीजिए। जिस कन्टेनर में केक बेक उसमें बटर या घी लगाकर चिकना कर लीजिए। बटर पेपर बर्तन के तले के आकार का काट लीजिए और तले में पेपर डालकर उसके ऊपर भी थोड़ा बटर डालकर चिकना कर लीजिए। आम का पल्प, कन्डेन्स्ड मिल्क में मैदा और बेकिंग पाउडर मिश्रण को डालकर अच्छी तरह गुठलियां खत्म होने तक मिलाइए। मिश्रण में दूध भी अच्छी तरह मिला दीजिए। काजू और किशमिश भी मिला दीजिए। ग्रीज किया हुआ केक कन्टेनर लीजिए। इसमें बर्तन में थोड़ा घी डालिए। फिर थोड़ी सी मैदा डालकर बर्तन को इस तरह हिलाइए कि उसके ऊपर पतली सी मैदा की परत बन जाए। उसमें मिश्रण डालिए और खटखटा कर एक सार कर लीजिए। अब क्योंकि कुकर में केक बनाने के लिए केक कन्टेनर का तला कुकर के तले से नहीं लगना चाहिए नहीं तो केक नीचे से जल सकता है। इसके लिए कुकर के अन्दर तले में एक कटोरी नमक फैला देते है। नमक गरम होकर ओवन की तरह तापमान भी बनाए रखता है। कुकर के अन्दर एक कटोरी नमक डालने के बाद इसे तेज आग पर दो मिनट के लिए रख दीजिए और केक कन्टेनर को पहले से गरम किए हुए कुकर में रखिए। कुकर के ऊपर ढक्कन लगाकर बन्द कर दीजिए। ढक्कन पर सीटी मत लगाइए। केक को बिल्कुल धीमी आग पर 40-50 मिनट तक पकाइए। इसके बाद केक को चैक कर लीजिए। केक के अन्दर चाकू डालने से मिश्रण चाकू पर लग कर आ रहा है तो केक को और बेक कीजिए। कुछ देर बाद दोबारा टैस्ट कीजिए केक में चाकू गड़ा कर देखिए यदि चाकू से केक नहीं चिपकता तो आपका केक बन गया है। कुकर को केक कन्टेनर सहित अच्छी तरह ठंडा होने दीजिए। ठंडा होने पर केक के किनारों से चाकू घुमाकर केक को बर्तन के किनारों से अलग कर लीजिए अब हल्के से ठोक कर केक को प्लेट में निकाल लीजिए। लीजिए आपका प्रेशर कूकर मैंगो केक तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**